नाक के मुंहासे से हैं परेशान? इन 5 ...8

दैनिक
बुद्ध का संदेश
हिन्दी समाचार पत्र
एक विश्वास....

सिद्धार्थनगर
शनिवार, 26 अप्रैल 2025
वर्ष: 12 अंक: 133 पृष्ठ: 8
आमंत्रण मूल्य 2/- रुपया

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

सम्पादक : राजेश शर्मा

दैनिक बुद्ध का संदेश 8795951917, 9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

पाकिस्तानी नागरिकों ... वापस भेजें

सभी मुख्यमंत्रियों को अमित शाह का सख्त निर्देश

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों को फोन किया और उनसे यह सुनिश्चित करने को कहा कि कोई भी पाकिस्तानी नागरिक भारत छोड़ने के लिए निर्धारित समय सीमा से अधिक देश में न रहे। भारत ने बृहस्पतिवार को पाकिस्तानी नागरिकों को जारी किए गए सभी वीजा 27 अप्रैल के प्रभाव से रद्द करने की घोषणा की और पाकिस्तान में रहने वाले भारतीय नागरिकों को जल्द से जल्द घर लौटने की सलाह दी।

क्षेत्रों में रह रहे पाकिस्तानी नागरिकों की पहचान करें फिर वापस भेजें अमित शाह ने मुख्यमंत्रियों से कहा कि उनके क्षेत्रों में रह रहे पाकिस्तानी नागरिकों की पहचान करने और उनका निर्वासन सुनिश्चित करने के लिए भी कहा गया। वीजा रद्द करने का यह फैसला हिंदू

पाकिस्तानी नागरिकों को पहले से जारी किए गए दीर्घकालिक वीजा पर लागू नहीं होगा। ऐसे वीजा 'वैध' रहेंगे। भारत ने पहलगाम हमले के तार सीमा पार से जुड़े होने को लेकर तत्काल प्रभाव से पाकिस्तानी नागरिकों के लिए वीजा सेवाओं को निलंबित करने की घोषणा की। भारत में रह रहे पाकिस्तानी नागरिक के पास देश छोड़ने के लिए 48 घंटे का समय। आप को बता दें कि पहलगाम का यह हमला 2611 के मुंबई आतंकवादी हमले के बाद देश में नागरिकों को निशाना बनाकर किया गया सबसे भयानक आतंकवादी हमला था। इसके अलावा, सरकार ने बुधवार को घोषणा की कि पाकिस्तानी नागरिकों को सार्क वीजा छूट योजना (एसवीईएस) के तहत भारत की यात्रा करने की अनुमति नहीं दी जाएगी और एसवीईएस वीजा के तहत भारत में मौजूद किसी भी पाकिस्तानी नागरिक के पास देश छोड़ने के लिए 48 घंटे हैं।

सिक्किम में कुदरत का कहर

भारी बारिश और भूस्खलन से हालात खराब, एक हजार से अधिक पर्यटक फंसे

गंगटोक। उत्तरी सिक्किम के लाचेन और लाचुंग क्षेत्र में भारी बारिश और भूस्खलन के कारण एक हजार से अधिक पर्यटक फंस गए हैं। सिक्किम पुलिस ने 25 अप्रैल से उत्तरी सिक्किम के लिए सभी पर्यटक परमिट अनिश्चितकाल के लिए रद्द कर दिए हैं। बारिश और भूस्खलन से लाचेन-चुंगथांग मार्ग क्षतिग्रस्त हो गया है जिससे यातायात पूरी तरह ठप है। प्रशासन ने रात में यात्रा न करने और सुरक्षित स्थानों पर रहने की सलाह दी है। मंगन जिला प्रशासन, पुलिस और आपदा प्रबंधन टीम बचाव कार्य में जुटी है। जिला अधिकारी अनंत जैन और पुलिस अधीक्षक सोनम दिचु भूटिया मौके पर राहत कार्यों की निगरानी कर रहे हैं। लाचेन में फंसे लोगों को निकालने की कोशिश जारी। लाचुंग में फंसे पर्यटकों को

संकलांग बेली ब्रिज मार्ग से और लाचेन में फंसे लोगों को चोंकाला-लाचुंग मार्ग से निकाला जा रहा है। सभी पर्यटक सुरक्षित हैं। मोबाइल नेटवर्क बाधित होने से संचार में दिक्कत हो रही है। सभी पर्यटक सुरक्षित पुलिस अधीक्षक सोनम दिचु भूटिया ने कहा कि सभी पर्यटक सुरक्षित हैं। बचाव कार्य शुरू हो चुके हैं और अगले कुछ दिनों में फंसे लोगों को सुरक्षित निकाल लिया जाएगा। उन्होंने पर्यटकों के परिजनों से निश्चिंत रहने की अपील की।

पहलगाम हमले पर मोहन भागवत का बयान

हिंदू कभी धर्म पूछकर नहीं मारते, दिखानी होगी शक्ति

नागपुर। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों ने निर्दोष नागरिकों से उनके धर्म के बारे में पूछताछ करने के बाद उनकी हत्या कर दी। उन्होंने कहा कि एक हिंदू कभी ऐसा कृत्य नहीं करेगा।

उन्होंने सरकार से पहलगाम आतंकी हमले पर कड़ी प्रतिक्रिया देने का आग्रह किया, जिसमें 28 लोग, जिनमें ज्यादातर पर्यटक थे, बंदूकधारियों द्वारा मारे गए थे। आरएसएस प्रमुख ने मुंबई में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि लोगों से उनका धर्म पूछा गया और उन्हें मार दिया गया। हिंदू ऐसा कभी नहीं करेंगे। भागवत ने कहा कि अभी जो लड़ाई चल रही है, वह संप्रदाय और धर्म के बीच नहीं है। इसका आधार संप्रदाय और धर्म है, बल्कि यह लड़ाई धर्म और अधर्म के बीच है। हमारे सैनिकों या हमारे लोगों ने कभी किसी को उसका धर्म पूछकर नहीं मारा। जो कट्टरपंथी लोगों ने लोगों को उनका धर्म पूछकर मारा, हिंदू ऐसा कभी नहीं करेंगे। इसलिए देश को मजबूत होना चाहिए। सभी दुखी हैं हमारे दिलों में गुस्सा है जैसा कि होना चाहिए, क्योंकि राक्षसों का नाश करने के लिए अपार शक्ति की आवश्यकता होती है। लेकिन कुछ लोग इस बात को समझने को तैयार नहीं हैं, और उनमें अब किसी भी तरह का बदलाव नहीं हो सकता।

अब बेटियों की शादी पर मिलेंगे 1 लाख रुपए

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना का लाभ पाने के लिए निर्धारित दो लाख रुपये वार्षिक आय सीमा को बढ़ाकर 3 लाख रुपये करने की आवश्यकता जताई है। बता दें कि गुरुवार को समाज कल्याण विभाग की समीक्षा बैठक में योगी ने कहा कि राज्य सरकार ने नए वित्तीय वर्ष से सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत प्रति नवविवाहित जोड़ों को 51 हजार रुपये के स्थान पर एक लाख रुपये करने का निर्णय लिया है। एक लाख रुपये की इस राशि में से 60 हजार रुपये कन्या के बैंक खाते में जमा किये जाए, जबकि नवविवाहित जोड़े को 25 हजार रुपये के उपहार दिए जाने चाहिए शेष 15 हजार रुपये वैवाहिक समारोह में व्यय किये जायें।

हर एक भारतीय एकजुट हो

श्रीनगर में राहुल गांधी बोले: सरकार जो कदम उठाएगी, हम साथ हैं

श्रीनगर। विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी आज जम्मू-कश्मीर दौरे पर हैं। उन्होंने पहलगाम आतंकवादी हमले के घायलों और पीड़ित परिवारों से मुलाकात की। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से भी उन्होंने श्रीनगर में मुलाकात की। इसके बाद उन्होंने कहा कि पूरे जम्मू-कश्मीर ने आतंकवादी हमले की निंदा की, राष्ट्र का पूरा समर्थन किया। उन्होंने कहा कि मैंने कुछ घायलों से मुलाकात की, मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि एकजुट विपक्ष इस कार्रवाई की निंदा करता है। जो भी कार्रवाई की जाएगी हम उसका समर्थन करते हैं। राहुल गांधी ने कहा कि यह जरूरी है कि सभी भारतीय एकजुट हों ताकि हम आतंकवादियों और उनके इरादों को परास्त कर सकें। उन्होंने कहा कि यह बहुत महत्वपूर्ण है कि हर एक भारतीय एकजुट होकर खड़ा हो, साथ खड़ा हो, ताकि हम आतंकवादियों द्वारा की जा रही कोशिशों को परास्त कर सकें। यह देखकर दुख होता है कि कुछ लोग कश्मीर और देश के बाकी हिस्सों से मेरे भाइयों और बहनों पर हमला कर रहे हैं और मुझे लगता है कि यह बहुत महत्वपूर्ण है कि हम सभी एक साथ खड़े हों, एकजुट होकर इस घिनौनी कार्रवाई का मुकाबला करें और आतंकवाद को हमेशा के लिए परास्त करें। कांग्रेस नेता ने कहा कि मैंने मुख्यमंत्री और एलजी से भी मुलाकात की, और उन्होंने मुझे जो कुछ हुआ उसके बारे में जानकारी दी, और मैंने उन दोनों को आश्वासन दिया कि मेरी पार्टी और मैं उनका पूरा समर्थन करने जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि मैं यहां यह जानने आया हूं कि क्या हो रहा है और मदद करने आया हूं। जम्मू-कश्मीर के सभी लोगों ने इस भयानक कार्रवाई की निंदा की है और उन्होंने राष्ट्र का पूरा समर्थन किया है। मैं घायल हुए लोगों में से एक से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि मेरा प्यार और स्नेह उन सभी लोगों के प्रति है जिन्होंने अपने परिवार के सदस्यों को खो दिया है, और मैं चाहता हूं कि सभी को पता चले कि पूरा देश एक साथ खड़ा है। कल हमने सरकार के साथ बैठक की, और संयुक्त विपक्ष ने इस कार्रवाई की निंदा की और कहा कि हम सरकार द्वारा की जाने वाली किसी भी कार्रवाई का समर्थन करने के लिए तैयार हैं।

पहलगाम आतंकी हमले को लेकर कांग्रेस का कैंडल मार्च, सरकार से भी पूछे कई बड़े सवाल

पहलगाम आतंकी हमले को लेकर देश में अब सियासत शुरू हो गई है। इसके साथ ही देश के अलग-अलग हिस्सों में कांग्रेस

ने आज पहलगाम आतंकी हमले के खिलाफ कैंडल मार्च निकाला। दिल्ली के कैंडल मार्च में खुद राहुल गांधी शामिल हुए। वहीं कांग्रेस ने केंद्र की मोदी सरकार पर कई बड़े सवाल खड़े किए हैं और गृह मंत्री अमित शाह का इस्तीफा मांगा है। लोकसभा नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पहलगाम आतंकवादी हमले के खिलाफ कांग्रेस द्वारा आयोजित मोमबत्ती विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए। कांग्रेस ने एक्स पर एक वीडियो साझा करते हुए लिखा कि पहलगाम आतंकी हमला कई सवाल खड़े करता है। इसके साथ ही कांग्रेस ने कुछ सवाल पूछे हैं। इसमें कहा गया है कि सुरक्षा में चूक कैसे हुई? इंटेलिजेंस फेल कैसे हुआ? आतंकी बॉर्डर के अंदर कैसे आए? 28 लोगों की मौत का जिम्मेदार कौन? क्या गृह मंत्री अपने पद से इस्तीफा देंगे? क्या पीएम मोदी इस चूक की जिम्मेदारी लेंगे? वहीं, एक अन्य पोस्ट में कांग्रेस ने पूछा है कि पीएम मोदी, कैसे हुई इतनी बड़ी चूक? कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा कि हमने इस भयानक आतंकवादी हमले की कड़े शब्दों में निंदा की है। हम सरकार से कड़ी प्रतिक्रिया चाहते हैं, इस संबंध में कांग्रेस ने अपना पूरा समर्थन दिया है। उन्होंने कहा कि हम जानते हैं कि जम्मू-कश्मीर में तीन स्तरीय सुरक्षा नेटवर्क है, पहलगाम पर्यटकों के बीच बेहद लोकप्रिय है, इसलिए न्याय और जवाबदेही की जरूरत है। गोगोई ने आरोप लगाया कि पाकिस्तान आतंकवादी हमलों के जरिए जम्मू-कश्मीर को अस्थिर करना चाहता है और कहा कि इस देश के लोग उन्हें सफल नहीं होने देंगे। गोगोई ने एएनआई से कहा, हम पाकिस्तान की मंशा को समझते हैं, जो जम्मू-कश्मीर, भारत को अस्थिर करना है। हम पाकिस्तान को सफल नहीं होने देंगे। जम्मू-कश्मीर एकजुट, शांतिपूर्ण और समृद्ध रहेगा और भारत एकजुट, शांतिपूर्ण और समृद्ध रहेगा।

आतंकियों की अब खैर नहीं!

श्रीनगर में एलजी मनोज सिन्हा से मिले सेना प्रमुख

श्रीनगर। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी आज जम्मू-कश्मीर दौरे पर हैं। उनका यह दौरा पहलगाम आतंकी हमले के बाद हो रहा है। उपेंद्र द्विवेदी ने उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से मुलाकात की है। राजभवन ने बताया कि उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी से न केवल पहलगाम आतंकी हमले के लिए जिम्मेदार लोगों को न्याय के दायरे में लाने के लिए प्रभावी कदम उठाने को कहा है, बल्कि आतंकवाद के बुनियादी ढांचे और उसके पारिस्थितिकी तंत्र को कुचलने के प्रयासों को भी तेज करने को कहा है। चर्चा के दौरान उपराज्यपाल ने कहा कि देश को हमारी सेना

पुलिस और सीएपीएफएस की बहादुरी और पराक्रम पर पूरा भरोसा है और उन्हें पहलगाम आतंकवादी हत्या के अपराधियों, समर्थकों और ओजीडब्ल्यूएस की पहचान करने के लिए मिलकर काम करना चाहिए और पूरी श्रृंखला का निर्मम तरीके से पीछा करके उन्हें बेअसर करना चाहिए। उपराज्यपाल ने शीर्ष सैन्य अधिकारियों से कहा, पहलगाम आतंकवादी हमले के हर अपराधी और समर्थक, चाहे वह किसी भी स्थान या संबद्धता से जुड़ा हो, की तलाश की जानी चाहिए और उन्हें हमारे नागरिकों के खिलाफ कायरतापूर्ण और नृशंस कृत्य के लिए भारी कीमत चुकानी चाहिए। बैठक में सुरक्षा तंत्र, विभिन्न अल्पकालिक, दीर्घकालिक उपायों और विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों के बीच एकीकरण और समन्वय की भी समीक्षा की गई। बैठक में सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी, उत्तरी कमान के जीओसी-इन-सी लेफ्टिनेंट जनरल एमवी सुचिंद्र कुमार, उप सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा और 15 कोर के जीओसी लेफ्टिनेंट जनरल प्रशांत श्रीवास्तव शामिल हुए।

यदि आप सम्मेलन में भाग लेते हैं...

राज्यपाल आरएन रवि ने तमिलनाडु पुलिस पर लगाया बड़ा आरोप

चेन्नई। तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि ने राज्य सरकार पर हमला किया और आरोप लगाया कि तमिलनाडु पुलिस ने विश्वविद्यालयों के कुलपतियों को शुक्रवार को उधगमंडलम में दो दिवसीय सम्मेलन में भाग नहीं लेने की धमकी दी। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य से इस सम्मेलन में राज्य के विश्वविद्यालय भाग नहीं ले रहे हैं। उन्होंने मुझे लिखित और मौखिक रूप से सूचित किया है कि राज्य सरकार ने उन्हें भाग नहीं लेने का निर्देश दिया है। अब तक, हमारे एक कुलपति पुलिस स्टेशन में हैं। कुछ कुलपति ऊटी पहुंच गए थे और एक अभूतपूर्व घटना घटी। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। आरएन रवि ने कहा कि आधी रात को उनके दरवाजों पर दस्तक हुई और राज्य की एक विशेष शाखा, खुफिया पुलिस ने उन्हें सूचित किया कि यदि वे सम्मेलन में भाग लेते हैं, तो वे घर वापस नहीं लौट पाएंगे और अपने परिवारों से नहीं मिल पाएंगे। उन्होंने आगे कहा कि दो दिवसीय सम्मेलन का उद्देश्य

परीक्षा की गुणवत्ता में सुधार करना है क्योंकि इसमें कोई राजनीति शामिल नहीं है। उन्होंने कहा कि 2021 से मैं यह बैठक कर रहा हूं। हाई स्कूल में सरकारी स्कूल के आधे छात्र कक्षा परीक्षा के स्कोर को नहीं छू सकते। हमें गुणवत्ता में सुधार करने की जरूरत है। हमारे राज्य में सबसे अधिक सकल नामांकन दर है जो 50 प्रतिशत से अधिक है। राज्यपाल ने कहा व हमारे राज्य के विश्वविद्यालय हर साल 8500 से अधिक पीएचडी तैयार करते हैं, जो वास्तव में बहुत प्रभावशाली आंकड़ा है। कहानी का दूसरा पहलू यह है कि 8500 से अधिक पीएचडी में, 1 प्रतिशत भी नेट जीआरएफ योग्य नहीं है यानी यूजीसी।

पहलगाम हत्याकांड में शामिल दो आतंकवादियों के घर को आईडी से उड़ाया गया

पूरी घटना को कैमरे में रिकॉर्ड किया गया

श्रीनगर। पहलगाम हमले में शामिल लश्कर-ए-तैयबा के दो आतंकवादियों आदिल थोकर और आसिफ शेख के घर गुरुवार रात क्रमशः अनंतनाग और त्राल में हुए एक विस्फोट में नष्ट हो गए। अधिकारियों के अनुसार, सुरक्षा बल दो लश्कर आतंकवादियों आदिल हुसैन थोकर और आसिफ शेख के घरों के अंदर तलाशी ले रहे थे, जब घरों के अंदर पहले से रखे विस्फोटकों में विस्फोट हो गया। उन्होंने कहा कि विस्फोटकों के कारण घर नष्ट हो गए।

2018 में अटारी-वाघा सीमा के माध्यम से कानूनी रूप से पाकिस्तान की यात्रा करने वाले थोकर ने कथित तौर पर पिछले साल जम्मू और कश्मीर में गुप्त रूप से लौटने से पहले आतंकवादी प्रशिक्षण प्राप्त किया था। खुफिया सूत्रों का सुझाव है कि उसने हालिया हमले में शामिल पाकिस्तानी आतंकवादियों के लिए एक मार्गदर्शक और रसद समन्वयक के रूप में काम किया।

पहलगाम आतंकी के घर को IED से उड़ाया गया माना जाता है कि आदिल थोकर ने पाकिस्तानी आतंकियों को बैसरन घाटी में हमले की योजना बनाने और उसे अंजाम देने में अहम भूमिका निभाई थी, जिसमें 26 लोग मारे गए थे।

दूसरे के घर को बुलडोजर से गिराया गया

पुलिस ने बताया कि मूसा और अली पिछले करीब दो साल से घाटी में सक्रिय हैं। माना जा रहा है कि हमलावरों की संख्या 4-5 थी, जो मंगलवार को बैसरन घाटी के आसपास के घने देवदार के जंगल से निकले और पर्यटकों पर एके-47 राइफलों से अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। कुछ जीवित बचे लोगों ने बताया कि सेना की वर्दी पहने आतंकवादियों ने धर्म की पुष्टि के लिए पहचान-पत्रों की जांच की और गैर-मुस्लिमों के रूप में पहचाने जाने वालों को गोली मार दी।

क्रम को रिकॉर्ड करने के लिए बॉडी कैम और हेलमेट पर कैमरे लगाए हुए थे

प्रारंभिक जांच में पाया गया कि आतंकवादियों ने घटना के पूरे क्रम को रिकॉर्ड करने के लिए बॉडी कैम और हेलमेट पर कैमरे लगाए हुए थे। हमलावरों ने सूखे मेवे और दवाइयों का स्टॉक कर रखा था, जो सावधानीपूर्वक योजना और तैयारी का संकेत देता है। हाल के वर्षों में कश्मीर में हुए सबसे घातक आतंकवादी हमलों में से एक इस घटना ने भारत और पाकिस्तान के बीच बड़े पैमाने पर कूटनीतिक गतिरोध को जन्म दिया है, जिसमें नई दिल्ली ने इस हत्याकांड के लिए अप्रत्यक्ष रूप से इस्लामाबाद को जिम्मेदार ठहराया है। हमले के 24 घंटे के भीतर ही भारत ने पाकिस्तान पर कई दंडात्मक कदम उठाए, जिसमें सिंधु जल संधि को निलंबित करना, राजनयिक संबंधों को कम करना और पाकिस्तानियों के सभी वीजा रद्द करना शामिल है। पाकिस्तान ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए कूटनीतिक कदम उठाने की घोषणा की है और भारतीय स्वामित्व वाली और संचालित एयरलाइनों के लिए अपने हवाई क्षेत्र को बंद कर दिया है।

प्रथम रैंक लाकर बढ़ाया क्षेत्र का सम्मान

दैनिक बुद्ध का संदेश

उसका बाजार/सिद्धार्थनगर। यूपी बोर्ड की परीक्षा का परिणाम शुक्रवार को 12ः30 पर निकलना शुरू हुआ। क्षेत्र के सिद्धार्थ हायर सेकेंडरी स्कूल मढिया बाजार में खुशबू पुत्री धर्मेंद्र कक्षा 10 में पढ़ने वाली छात्रा ने अपने स्कूल प्रथम स्थान लाकर स्कूल का मान एवं अपने माता पिता का सम्मान बढ़ाया है। खुशबू ने इसका पूरा श्रेय गुरुजन और माता पिता को देना चाहती है और कहीं कि आगे चलकर आईएएस बनकर समाज की सेवा करूंगी। प्रबंधक सिद्धार्थ मिश्र ने कहा कि 179 छात्र छात्राओं ने यूपी बोर्ड की परीक्षा दिए और विद्यार्थी प्रथम स्थान हासिल किया एवं उज्ज्वल भविष्य का शुभकामना भी दिया।

धनबाद ने दिल्ली को 2–1 से हराकर ट्रॉफी पर किया कब्जा

दैनिक बुद्ध का संदेश

बढ़नी/सिद्धार्थनगर। नगर पंचायत बढ़नी में जागृति स्पोर्टिंग क्लब की ओर से भारत–नेपाल सीमा पर स्थित बढ़नी रामलीला मैदान में आयोजित तीन दिवसीय 44वें ऑल इंडिया वॉलीबाल टूर्नामेंट में फाइनल मुकाबला खेला गया। इसमें धनबाद रेलवे झारखंड ने नार्दन रेलवे दिल्ली को कड़े मुकाबले में 2–1 से पराजित कर प्रतियोगिता की ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। इसके पहले खेले गए सेमीफाइनल मुकाबलों में नार्दन रेलवे दिल्ली ने यूपी पुलिस को 3–1 से व धनबाद रेलवे झारखंड ने एनई रेलवे गोरखपुर को 3–2 से पराजित कर फाइनल में जगह बनाई। वॉलीबाल प्रतियोगिता के फाइनल मैच में बुधवार की देर रात धनबाद व दिल्ली के बीच मुकाबला हुआ। बेस्ट आफ थ्री के इस फाइनल मैच में पहले सेट में नार्दन रेलवे दिल्ली ने बेहद करीबी मुकाबले में 26–24 से जीत हासिल कर बढ़त बना ली। इसके बाद धनबाद रेलवे झारखंड ने पलटवार किया और दूसरा सेट 25-20 से जीत दर्ज कर मुकाबले को बराबरी पर ला दिया। निर्णायक और आखिरी सेट में धनबाद रेलवे झारखंड ने 28–20 से जीत हासिल करते हुए 2–1 से जागृति ट्रॉफी पर अपना कब्जा जमा लिया। इसके पहले खेले गए पहले सेमीफाइनल मुकाबले में नार्दन रेलवे दिल्ली ने यूपी पुलिस को 25–22, 25–27, 25–20 व 25–21 से व दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में धनबाद रेलवे झारखंड ने एनई रेलवे गोरखपुर को बेहद रोमांचक मुकाबले में 21–25, 25–18, 25–21, 22–25 व 15–06 से पराजित कर फाइनल में जगह बनाई। फाइनल मुकाबले के मुख्य अतिथि पूर्व सांसद कुशल तिवारी ने कहा कि 44 बार जागृति स्पोर्टिंग क्लब ने राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता का आयोजन कर क्षेत्रीय खिलाड़ियों को बड़े खिलाड़ियों से सीखने का अवसर प्रदान किया है। बढ़नी से भी दो–तीन बेटियां राष्ट्रीय स्तर पर वॉलीबाल खेल रही हैं। यह इसी प्रकार के प्रतियोगिता के आयोजन के कारण सम्भव हुआ है। इस दौरान मैच की कमेंट्री नेशनल कमेंट्रेटर जुगनीराम शाही, निजाम अहमद व अब्दुल हलीम ने सुनाया। रेफरी के दायित्व को नेशनल रेफरी सफदर सिंह, राम हिरोमणि सिंह, उपेन्द्र बहादुर सिंह, अंकित सिंह, पंकज दुबे, सी0बी0 मिश्र, अलीमुद्दीन आदि ने बखूबी निभाया। इस दौरान निर्णायक की भूमिका शम्भूनाथ गुप्ता एवं अंकित सिंह ने निभाई। स्कोरिंग सहर्ष प्रताप गुप्त ने की। इस दौरान पूर्व मंत्री मसूद, आयोजन समिति के अध्यक्ष अकील अहमद, आयोजन सचिव मो0 इब्राहिम, सपा नेता मणेन्द्र मिश्र शशांक, आलोक सिंह, परमानन्द मित्तल, मुन्नू अली, शाकिर अली, शकील अहमद, डा0 विकास सिंह, जावेद खान, अजय प्रताप गुप्त, निजाम अहमद आदि मौजूद रहे।

जांच अधिकारी के सामने ही शिकायतकर्ता के ऊपर हुआ हमला

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। विकास खण्ड इटवा के त्रिलोकपुर ग्राम पंचायत त्रिलोकपुर में विकास कार्यों में भ्रष्टाचार को लेकर गांव के ही एक व्यक्ति ने शिकायत किया था। जिसकी जांच करने पहुंचे अपर जिला पि अधिकारी व अवर अभियन्ता के सामने ही ग्राम प्रधान समर्थक व शिकायतकर्ता आपस में उलझ गये। देखते ही देखते ग्राम प्रधान के समर्थकों ने शिकायतकर्ता के ऊपर हमला कर दिया। जांच लगभग आधी पूरी हो चुकी थी और कुछ शेष रह गया था। जिसकी जांच के लिए जांच के लिए अपर जिला पि अधिकारी ने सचिव व अवर अभियन्ता को शेष जांच कर रिपोर्ट तैयार करने को कहा। वहीं जांच के दौरान जांच अधिकारियों के सामने ही देखते ही देखते ग्राम प्रधान के समर्थकों ने शिकायतकर्ता के ऊपर हमला कर दिया।

उर्मिला एजुकेशनल एकेडमी के छात्रों लहराया परचम

हमारी सफलता का श्रेय हमारे गुरुजनों एवं अभिभावकों को जाता है

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। यूपी बोर्ड परीक्षा के हाईस्कूल व इंटरमीडियट का परीक्षा परिणाम शुक्रवार को घोषित हुआ। दोपहर एक बजे से पहले से ही जिले के विद्यालयों में छात्र–छात्राओं समेत उनके अभिभावक एवं स्कूल प्रशासन परिणाम के इंतजार में रहा। एक बजे के बाद जैसे ही परिणाम घोषित हुआ छात्र छात्राओं एवं अभिभावकों के चेहरे पर मुस्कान नजर आने लगी शहर के उर्मिला एजुकेशन एकेडमी में परिणाम आने के बाद छात्रों को प्रबंधक धीरेंद्र शुक्ल, प्रबन्ध निदेशक विनय शुक्ल एवं प्रधानाचार्य नरेंद्र सिंह ने मिठाई खिलाकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। वही बेहतर प्रदर्शन करने वाले छात्र छात्राओं ने गुरुजनों का चरण स्पर्श कर आशीर्वाद मांगा। प्रबन्ध निदेशक विनय शुक्ला ने कहा कि शिक्षकों एवं छात्रों के कठोर परिश्रम का परिणाम है कि यूपी बोर्ड में हमारे छात्रों का इतना शानदार रहा है जिन बच्चों को कम अंक प्राप्त हुए है उन्हें अधिक परिश्रम करने की आवश्यकता है। प्रधानाचार्य नरेंद्र सिंह ने कहा कि शिक्षक केवल मार्ग दिखाता है जो छात्र उसपर परिश्रम करते है उनको सफलता प्राप्त करने से कोई नहीं रोक सकता है। उन्होंने कहा कि पिछले कई वर्षों से उर्मिला एजुकेशनल एकेडमी के छात्र अपना शानदार प्रदर्शन कर विद्यालय एवं परिवार का नाम रोशन कर रहे हैं। उर्मिला एजुकेशनल एकेडमी बस्ती में हाईस्कूल/इण्टरमीडिएट 2025 का परीक्षा परिणाम विगत वर्षों की भांति भी शत् प्रतिशत रहा है। हाईस्कूल की छात्रा प्रीती यादव ने विद्यालय में पहला स्थान प्राप्त किया और इण्टरमीडिएट विज्ञान वर्ग में छात्र सुमित चौरसिया तथा वाणिज्य वर्ग में दीपाली ने विद्यालय में पहला स्थान प्राप्त किया। हाईस्कूल परीक्षा परिणाम में प्रीती यादव 92प्रतिशत शिवांगी 92प्रतिशत शिवानी चौधरी 91.7 प्रतिशत, शुभम् 91.6 प्रतिशत, साक्षी चौधरी 91प्रतिशत, तिका 90 प्रतिशत, श्रद्धा 90प्रतिशत, बेबी जायसवाल 90प्रतिशत, अंशिका कसौधन 90 प्रतिशत, आर्यन चौरसिया 90प्रतिशत, मो० अरसद 90 प्रतिशत, रोशन चौरसिया 90प्रतिशत, चाँदनी चौधरी 90प्रतिशत, रवि कुमार 89.8प्रतिशत, आरति सिंह 89.7प्रतिशत, सत्यम् 89.6 प्रतिशत, सचिन अग्रहरि 89.4 प्रतिशत, शुभम् कुमार 89.3 प्रतिशत, अन्य सोनकर 89.3प्रतिशत, आशीष कुमार 89.3प्रतिशत अंक प्राप्त किया। इण्टरमीडिएट परीक्षाफल में सुमित चौरसिया 88प्रतिशत, जय व्रत दूबे 88प्रतिशत, नित्या 87.6प्रतिशत, श्यामनयन यादव 87.6 प्रतिशत, नसरीन खातून 87.5 प्रतिशत, शिवेन्द्र सिंह 87.3 प्रतिशत, तन्मय गुप्ता 87.2 प्रतिशत विवेक चौधरी 87प्रतिशत, दिपाली 87प्रतिशत, विकास यादव 86.1 प्रतिशत, गुरू प्रसाद 86 प्रतिशत, नितिन 83.3 प्रतिशत शुभम् 83.2प्रतिशत आयुष कसौधन 82.1प्रतिशत रोहित 82.1प्रतिशत प्रीतम 82 प्रतिशत हरिकेश 82 प्रतिशत, विजय शुक्ला 80प्रतिशत, प्रियांशु यादव 80 प्रतिशत, वैष्णवी 80 प्रतिशत अंक प्राप्त किया। इस अवसर पर बसन्त कुमार गुप्ता, राकेश कुमार स्तुति मिश्रा, श्रीमती रंजना यादव, आंचल सिंह, संतोष सिंह श्रवण चौधरी, आदि ने सभी सफल छात्र छात्राओं को उनकी सफलता पर बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

तहसील परिसर में लगा वाटर कुलर बहा रहा अपने बदहाली पर आंसू

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। तहसील डुमरियागंज परिसर में लगा वाटर कुलर अपने बदहाली पर आंसू बहा रहा है। आपको बता दे कि डुमरियागंज तहसील में हजारों लोगों का आवागमन रहता है। वहीं इस गर्मी में प्यास के लिए वाटर कूलर कई जगह लगवाया गया। कुछ तो ठीक है मगर कुछ बीमार है। वाटर कूलर नगर पंचायत और तहसील परिसर के सामने–सामने लगा वाटर कूलर पर किसी जिम्मेदार की नजर नहीं पड़ रही है। वहीं डुमरियागंज कस्बावासियों ने नगर पंचायत के कर्मचारियों का मजाक बना रहें हैं। वहीं वाटर कूलर मशीन दिखावे को लेकर ठीक कराकर सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया। जबकि जमीनी हकीकत कुछ और ही है। आखिर कब तक लापरवाही से काम चलता रहेगा। नगर पंचायत डुमरियागंज तहसील परिसर में लगा वाटर कूलर का मामला है।

आक्रोशित लोगों ने आतंकवाद का पुतला दहन कर जताया विरोध

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। नगर पंचायत शोहरतगढ़ के गड़ाकुल तिरंगा तिराहे पर जम्मू कश्मीर के पहलगाम में मारे गये निर्दोष

लोगों के हत्या पर गुरुवार को आक्रोशित लोगों ने आतंकवाद का पुतला दहन कर विरोध जताया। नगर अध्यक्ष प्रतिनिधि रवि अग्रवाल की अगुवाई नगरवासियों ने आतंकवाद का पुतला दहन कर पाकिस्तान मुर्दाबाद, भारत माता की जय का नारा लगाया। आतंकवादी घटना में लिप्त आतंकवादियों को सबक सिखाने की मांग नगरवासियों ने की। नगर अध्यक्ष प्रतिनिधि ने कहा कि निर्दोष लोगों की हत्या होने से पूरा देश दुखी है। शिव शक्ति शर्मा ने कहा कि कड़ी कार्रवाई सरकार को करनी चाहिए। इस दौरान सभासद राजकुमार मोदनवाल, बब्लू गौड़, प्रमोद श्रीवास्तव, शिवरतन कन्नौजिया, सतीश चन्द्र वर्मा, मोनू कुमार, सहित अन्य लोग मौजूद रहें।

डीएम की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की समीक्षा बैठक हुई आयोजित

दैनिक बुद्ध का सन्देश

संत कबीर नगर। जिलाधिकारी आलोक कुमार की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति, जिला क्षय रोग समिति, संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान के अन्तर्गत अन्तर्विभागीय समन्वय समिति की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी जयकेश त्रिपाठी उपस्थित रहे। बैठक में जिला स्तर पर विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों, स्वास्थ्य संकेतकों की अद्यतन स्थिति एवं प्रगति पर बिन्दुवार समीक्षा की गयी। बैठक में डीपीएम विनीत कुमार श्रीवास्तव ने एजेंडा बिंदु सहित विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों की अद्यतन स्थिति से जिलाधिकारी को अवगत कराया। जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्साधिकारी सहित सम्बंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया है कि स्वास्थ्य कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में कदापि लापरवाही न बरती जाए, बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं का रूटीन टीकाकरण, बच्चों में कुपोषण के स्थिति की जांच आदि की विभागीय स्तर पर नियमित समीक्षा की जाए। स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने जननी सुरक्षा योजना के व्यवस्थित संचालन, ग्रामीण स्तर पर कार्यरत स्वास्थ्य कार्यकत्रियों जैसे–आशा एवं ए0एन0एम0 की कार्य प्रणाली, संस्थागत प्रसव आदि से सम्बंधित चिकित्साधिकारियों को निर्देशित किया कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित जितनी भी सेवायें/योजनाओं का संबंध ग्रामीण स्तर पर कार्यरत स्वास्थ्य कार्यकत्रियों (आशा/एएनएम) से है उसकी समीक्षा अनिवार्य रूप से सम्बंधित चिकित्साधिकारीगण एक–एक आशा/एएनएम के सापेक्ष सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य योजनाओं/कार्यक्रमों के संचालन एवं आउटपुट की सतर्क मॉनीटरिंग भी की जाए। समीक्षा के दौरान जननी सुरक्षा योजना के अंतर्गत लाभार्थियों के भुगतान की स्थिति, गर्भवती महिलाओं के संस्थागत प्रसव का आंकड़ा, ओपीडी/आईपीडी में माहवार मरीजों की संख्या के सापेक्ष दवाओं का वितरण आदि की ब्लाकवार समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने समीक्षा के दौरान आभा–आईडी एवं आयुष्मान कार्ड बनाए जाने में प्रगति लाने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी द्वारा जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, जिला क्षय रोग समिति, संचारी रोग, रैबीज टीकाकरण, स्नेक बाइट वैक्सीन की उपलब्धता, चिकित्सालयों में चिकित्सकों एवं दवाओं की उपलब्धता सहित मरीजों के हित में स्वास्थ्य संबंधित उपलब्ध कराई जाने वाली सेवाओं/सुविधाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में डब्ल्यू0एच0ओ0 एवं यूनिसेफ के प्रतिनिधि द्वारा जनपद में स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं में कार्यों का लक्ष्य एवं गुणवत्ता के सापेक्ष प्रगति की समीक्षा से संबंधित पीपीटी के माध्यम से प्रस्तुतीकरण किया गया। बैठक में मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 रामानुज कन्नौजिया द्वारा बताया गया कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन/राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत जनपद में दिनांक 01 अप्रैल से 30 अप्रैल 2025 तक विशेष संचारी रोग नियंत्रण/दस्तक अभियान चलाया जा रहा है जिसमें दिनांक 10 अप्रैल से 30 अप्रैल तक दस्तक अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इसमें स्वास्थ्य विभाग सहित अन्य सम्बंधित विभागों की समन्वयता के साथ संचारी रोग नियंत्रण कार्यक्रम/दस्तक अभियान व जन जागरूकता कार्यक्रम के बारे में आम जनमानस को जागरूक करने के साथ–साथ वेक्टर वार्न डिजीज सहित अन्य संचारी रोगों की स्थिति, बचाव, उपचार के बारे में आम जनमानस को जागरूक किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इसकी मॉनीटरिंग डब्ल्यू0एच0ओ0 व यूनीसेफ सहित अन्य स्वास्थ्य सम्बंधी ऑर्गनाइजेशन द्वारा की जायेगी। इस अवसर पर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 रामानुज कन्नौजिया, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ0 मदनमय पाण्डेय, पीडी संजय कुमार नायक, जिला विद्यालय निरीक्षक हरिश्चंद्र नाथ, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अमित कुमार सिंह, एसीएमओ डॉ0 मोहन्द्र प्रसाद, जिला कार्यक्रम अधिकारी सत्येंद्र सिंह, डब्ल्यू0एच0ओ0 एवं यूनिसेफ के प्रतिनिधि सहित चिकित्सालयों के एम0ओ0आई0सी0 व अन्य सम्बंधित अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

हाई स्कूल रिजल्ट में डीएवी इंटर कॉलेज का जनपद में रहा दबदबा, अमरजीत चौधरी हुए टॉपर

दैनिक बुद्ध का संदेश

संतकबीरनगर। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा शुक्रवार

दोपहर 12.30 बजे हाई स्कूल व इंटरमीडिएट परीक्षा के परिणाम को जारी किया गया। इस दौरान बच्चों द्वारा स्मार्ट फोन व कंप्यूटर सेंटर पर परिणाम जानने की होड़ लग गयी। जैसे जैसे परिणाम आया वैसे वैसे ही बच्चो की प्रतिभा सामने आने लगी। इस बार मेंहदावल नगर के डीएवी इंटर कॉलेज का हाई स्कूल परीक्षा में शामिल बच्चो का जनपद में विशेष स्थान रहा। इस बार चार बच्चों ने टॉपटेन में जगह बनाई है। बताते चले कि डीएवी इंटर कॉलेज के हाई स्कूल परीक्षा में अमरजीत चौधरी ने 96.83 अंक प्राप्त किया। दूसरे स्थान पर रामनरेश बुद्धिसागर विद्यालय की शिवानी ने 95.67 अंक, पार्वती कन्या इंटर कॉलेज की अंकिता मिश्रा ने 95.50 अंक, डीएवी इंटर कॉलेज की जयश्री बर्नवाल ने 95.33 अंक, रामनाथ इंटर कॉलेज बनकटिया की अंशिका चौधरी 95 अंक, हीरालाल इंटर कॉलेज के अभिनव यादव, हिमांशु ने 94.33, डीएवी इंटर कॉलेज के खलीलुल्लाह ने 94 अंक प्राप्त किया है। सभी परीक्षा परिणाम आने के बाद लोगो ने उच्च स्थान प्राप्त करने वाले बच्चो को बधाई उनके परिजनो व शुभचिंतको द्वारा दिया गया।

इंटरमीडिएट की छात्रा जगतगुरु शंकराचार्य इंटर कॉलेज का जनपद में रहा दबदबा, खुशबू चौरसिया हुए टॉपर

दैनिक बुद्ध का संदेश

संतकबीरनगर। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा शुक्रवार

दोपहर 12.30 बजे हाई स्कूल व इंटरमीडिएट परीक्षा के परिणाम को जारी किया गया। इस दौरान बच्चो द्वारा स्मार्ट फोन व कंप्यूटर सेंटर पर परिणाम जानने की होड़ लग गयी। जैसे जैसे परिणाम आया वैसे वैसे ही बच्चो की प्रतिभा सामने आने लगी। इस बार मेंहदावल नगर के श्री जगतगुरु शंकराचार्य इंटर कॉलेज के परीक्षा में शामिल बच्चो का जनपद में विशेष स्थान रहा। इस दो बच्चों ने टॉपटेन में जगह बनाई है। बताते चलें कि संत कबीर नगर। यूपी बोर्ड इंटरमीडिएट परीक्षा के परिणाम में छात्राओं का रहा शानदार प्रदर्शन प्रदर्शन किया मेंहदावल तहसील क्षेत्र के श्री जगतगुरु शंकराचार्य इंटर कॉलेज की छात्रा खुशबू चौरसिया ने किया जिला टॉप। 500 अंक में से 454 अंक हासिल किए हैं। उन्होंने 90.80 प्रश्न अंक के साथ जिले में पहला स्थान हासिल किया है। मेंहदावल जगतगुरु शंकराचार्य इंटर कॉलेज के अध्यापक अभिभावक और छात्राओं के सहयोग से आज जनपद में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। सभी परीक्षा परिणाम आने के बाद लोगो ने जनपद में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्रा को बधाई उनके परिजनों व शुभचिंतको द्वारा दिया गया।

आतंकी हमले के विरोध के विहिप ने निकाला कैंडल मार्च

दो मिनट का मौन धारण कर दी गयी श्रद्धांजलि

दैनिक बुद्ध का संदेश

ककरहवा। पहलगाम में धर्म पूछ कर आतंकियों द्वारा हमला कर पर्यटकों की निर्मम हत्या किए जाने के विरोध में गुरुवार की रात ककरहवा में विश्व हिन्दू परिषद – बजरंग द्वारा कैंडिल मार्च निकाल कर आतंकी हमले का विरोध प्रदर्शन किया गया तथा सरकार से जवाबी कार्यवाही किये जाने की मांग की, और अंत में कैंडिल मार्च ककरहवा बॉर्डर पहुँची जहां पर दो मिनट का मौन धारण कर हमले में मारे गए पर्यटकों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कैंडिल मार्च में मुख्य रूप से विश्व हिन्दू परिषद के जिलाध्यक्ष ब्रजेश पाण्डेय, जिला सहमंत्री जय प्रकाश गुप्ता, ब्लाक अध्यक्ष बर्डपुर तेज प्रताप कन्नौजिया, ब्लाक मंत्री कन्हैया लाल गुप्ता, नगर अध्यक्ष ककरहवा सर्वेश वर्मा, नगर उपाध्यक्ष नौगढ़ आशीष सिंह, संदीप अग्रहरि, सुनील मिश्रा, सौरभ रस्तोगी, अभी त्रिपाठी, रवी, विष्णु जायसवाल, बिंटू जायसवाल, सिंटू श्रीवास्तव, चंदन गौड़, रामू गुप्ता, अर्पित पाण्डेय, सागर माली, भोला कौशल, दुर्गेश वर्मा, राज कन्नौजिया, अमेरिका कसौधन, भोले शंकर, सूरज मौर्या, विष्णु मौर्या, सतीश कसौधन, राजकुमार गोस्वामी, रवी कुमार गोस्वामी आदि लोग शामिल रहे।

चोरी के प्रकरण में 01 नफर अभियुक्त को गिरतार कर, कब्जे से चोरी की 01 अदद मोटरसाइकिल किया गया बरामद

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) व क्षेत्राधिकारी नगर के कुशल नेतृत्व में जनपद सोनभद्र में चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने व चोरी की घटनाओं का शीघ्र अनावरण व उसमें संलिप्त अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना रॉबर्ट्सगंज पुलिस द्वारा थाना रॉबर्ट्सगंज पर मोटरसाइकिल चोरी हो जाने के सम्बन्ध में पंजी० मु0अ0सं0–388/2025 धारा–303(2) बीएनएस से सम्बन्धित 01 नफर अभियुक्त जिशान पुत्र सलीम निवासी पुरब मोहाल थाना रॉबर्ट्सगंज जनपद सोनभद्र उम्र लगभग 19 वर्ष को चोरी की मोटरसाइकिल हीरो होंडा हक न0 न्छ3 त्व0843 के साथ 24.04.2025 को बीएसएनएल ऑफिस रॉबर्ट्सगंज के पास से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर मुकदमा उपरोक्त में धारा 317(2) बीएनएस की वृद्धि करते हुए अभियुक्त को न्यायालय भेजा गया।

वक्फ संपतियों पर सर्वाधिक कांग्रेसियों का कब्जा : सहजानंद राय

भाजपा का जनजागरण अभियान मुस्लिमों के घर घर जाएगा : सहजानंद राय

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर।भाजपा जिला कार्यालय पर जिलाध्यक्ष कन्हैया पासवान की अध्यक्षता में वक्फ सुधार जनजागरण अभियान– 2025 की जिला कार्यशाला सम्पन्न हुई। कार्यशाला के मुख्य अतिथि क्षेत्रीय अध्यक्ष भाजपा सहजानंद राय रहे।जिलाध्यक्ष कन्हैया पासवान ने स्वागत भाषण करते हुए सभी अतिथियों का स्वागत अभिनंदन किया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि क्षेत्रीय अध्यक्ष भाजपा सहजानंद राय ने कहा वक्फ की व्यवस्था में सुधार कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गरीब मुस्लिम परिवारों के हित में ऐतिहासिक कदम उठाया है। प्रधानमंत्री जी का मानना है गरीब मुसलमान का हक जरूरतमंद मुसलमान के परिवार के जीवन स्तर में सुधार होगा यह वक्फ में सुधार भारत को विकसित बनाने में प्रधानमंत्री मोदी जी के संकल्प मार्ग भी प्रशस्त करेगा। क्षेत्रीय अध्यक्ष सहजानंद राय ने प्रेस वार्ता करते हुए कहा आज मोदी सरकार गरीब व जरूरतमंद मुसलमान के हित के लिए कार्य कर रही है.वक्फ संपतियों पर पूरे देश में सर्वाधिक लूट कांग्रेस पार्टी के नेताओं ने की है ,देश भर में वक्फ की संपत्तियों पर कांग्रेसियों का सर्वाधिक कब्जा है जिसको मोदी सरकार के नए कानून के माध्यम से सभी से कब्जा मुक्त कराकर जरूरत मंद मुसलमानों को उनके जन कल्याण के लिए उपयोग किया जाएगा। उन्होंने बताया इस जन जागरण अभियान में महिला मोर्चा युवा मोर्चा अनुसूचित मोर्चा कम से महिला सम्मेलन संवाद अभियान व आदिवासी समाज में संपर्क की जिम्मेदारी दी गई है। सांसद जगदंबिका पाल ने कहा वक्फ में सुधार मुस्लिम बहनों–भाइयों के लिए सकारात्मक साबित होंगे। ये सुधार विशेषतः गरीब मुसलमानों, मुस्लिम महिलाओं और पसमांदा मुसलमानों के लिए लाभकारी सिद्ध होंगे। कार्यक्रम में उपस्थित विधायक बांसी राजा जय प्रताप सिंह व पूर्व विधायक डुमरियागंज राघवेंद्र सिंह ने अपने संबोधन में वक्फ जनजागरण अभियान के विषय पर अपना विचार रखा। उक्त अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्षगण नरेंद्र मणि त्रिपाठी,लाल जी त्रिपाठी,राम कुमार कुंवर,क्षेत्रीय अध्यक्ष पिछड़ा मोर्चा शिवनाथ चौधरी,जिला उपाध्यक्ष दीपक मौर्य,जिला मीडिया प्रभारी निशांत पाण्डेय,भाजपा नेता गुड्डू त्रिपाठी,फतेबहादुर सिंह,कार्यक्रम संयोजक विनीत कमलापुरी,सह संयोजक राशिद खान,मंगल चौरसिया,संतोष शुक्ला आदि लोग उपस्थित रहे।

कृषि विज्ञान केंद्र सोनहा में दी गई गेहूं रखने की जानकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

मनवापुर। आज दिनांक 26.04.2025 को .षि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ सर्वजीत ने बताया कि भंडारण से पहले गेहूं के दाने को अच्छी तरह से साफ करके, धूप में (6–7 दिन तक) अच्छी तरह सुखा लेना चाहिए। यदि बोरियों में भंडारण करना हो तो नई बोरियों का ही उपयोग करना चाहिए। भंडारण के लिए हमेशा ऊंचे स्थान पर बने हुए नमी रोधी गोदाम प्रयोग में लाते हैं जिससे नमी का प्रकोप न हो। अधिक नमी होने पर कीटों एवं बीमारियों का प्रकोप बढ़ जाता है। बीजों का श्वसन दर बढ़ जाता है जिससे बीजों की जीवन क्षमता कम हो जाती है ऐसे बीज बुवाई के लिए प्रयोग नहीं करना चाहिए पुराने अनाज व बीजों को एक साथ भंडारण नहीं करना चाहिए गेहूं को रखने से पहले गोदाम को अच्छी तरह से साफ कर लें. छत व दीवारों पर यदि दरारें हैं तो इन्हें भरकर ठीक कर लें. बोरियों को 5 प्रतिशत नीम तेल के घोल से उपचारित करें. गोदाम में भंडारण के लिए लकड़ी का प्लेटफार्म बनाए जिससे फर्श से नमी अनाज में ना जाने पाए भंडारण के लिए गेहू में नमी 12–13 चाहिए।

दम तोड़ता नजर आ सरकार की चलाई जा रही सारी योजनाएं, दर दर भटकने को मजबूर ग्रामीण

दैनिक बुद्ध का संदेश/ पंकज चौबे

सिद्धार्थनगर। गांव के लोगों को आय, जाति या अन्य प्रमाणपत्र बनवाने के लिए तहसील या ब्लॉक का चक्कर न लगाना पड़े इसके लिए शासन ने हर ग्राम पंचायत में पंचायत भवन का निर्माण कराया है। प्रति पंचायत भवन पर 15 से 22 लाख रुपये व कामन सर्विस सेंटर के नाम पर 4लाख का लागत लगाकर भवन निर्माण कराया गया है। पंचायत सहायक भी नियुक्त किए गए हैं लेकिन इसका लाभ आम लोगों को नहीं मिल रहा है। हालत यह है कि अधिकतर पंचायत भवनों पर ताले लटक रहे हैं। ग्राम प्रधान अपने साथ झोले में मुहर और अन्य कागजात रखते हैं और जरूरत पड़ने पर किसी प्रमाणपत्र जारी कर देते हैं।सरकार की मंशा पंचायत भवन को मिनी सचिवालय के रूप में विकसित करना है, जहां ग्रामीणों की फरियाद सुनकर उनकी समस्याएं दूर की जा सकें। ग्राम पंचायत के कार्यों को आसान बनाने के लिए पंचायत सहायकों की नियुक्ति भी की गई। इसके बाद भी पंचायत भवनों की स्थिति यथावत ही है। हिन्दी दैनिक बुद्ध का सन्देश की टीम ने बढ़नी के डेढ़रूआ ग्राम पंचायत की पड़ताल की तो चौंकाने वाली सच्चाई सामने आई। जहां से विकास विभाग की योजनाएं चलती हैं वहीं के पंचायत भवनों में ताला लटकता मिला व लोगों के सुविधा के लिए कामन सर्विस सेन्टर दो साल में ही दम तोड़ता नजर आ रहा है वहीं इस संबंध में वहां के सचिव अनूप रावत ने बताया कि बैंक /कामन सर्विस सेंटर का पूरा भुगतान हो चुका है लेकिन भवन में दरवाजा नहीं लगा है

देश की बहुसंख्य आबादी का आधारशिला है परिषदीय विद्यालय

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। शुक्रवार को खुनियांव ब्लाक के कम्पोजिट उच्च प्राथमिक विद्यालय गोनरा में स्कूल चलो अभियान रैली एवं पुस्तक वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पाण्डेय ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व पुष्पांजलि कर कार्य क्रम का शुभारम्भ किया। छात्र कान्ति,निशा,नेहा,प्रियंका ने सरस्वती वन्दना व छात्रा दिव्या,खुशी,पूजा,खुशबू ने स्वागत गीत प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष राधेरमण त्रिपाठी युवा जिलाध्यक्ष अभय कुमार पाण्डेय ने नेता प्रतिपक्ष को माल्यार्पण कर व बैज लगा कर स्वागत किया। बतौर मुख्य अतिथि नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पाण्डेय ने अपने सम्बोधन में कहा कि वर्तमान समय में शिक्षा का व्यवसायीकरण जिस तीव्र गति से हो रहा और उसका आर्थिक बोझ अभिभावकों के ऊपर जिस तरह पड़ रहा है उससे सामान्य जन अपने पाल्यों को बुनियादी शिक्षा दिलाने में अपनी खून पसीने की कमाई बहा दे रहा है। वहीं सबसे योग्य शिक्षक आपके बच्चों को निःशुल्क शिक्षा देने के लिए निरन्तर प्रयत्नशील है और आपके दरवाजे पर दस्तक दे रहे हैं। प्राईमरी स्कूल ही बहुसंख्य आबादी के बच्चों को आज शिक्षा देने में वरदान साबित हो रहा है। विद्यालय संचालन में ग्रामीण सहयोग करें और अधिक से अधिक बच्चों का नामांकन करें। उक्त बातें नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पाण्डेय ने खुनियांव ब्लाक के कम्पोजिट उच्च प्राथमिक विद्यालय गोनरा में स्कूल चलो अभियान रैली एवं पुस्तक वितरण कार्यक्रम के दौरान बतौर मुख्य अतिथि कही। श्री पाण्डेय ने कहा कि जब गांव गली अमीर गरीब सबके बच्चे पढ़ेंगे तो वह आगे बढ़ेंगे और क्षेत्र और देश का नाम रोशन करेंगे। इस दौरान नेता विपक्ष ने स्कूली बच्चों को निःशुल्क पुस्तक वितरण किया और स्कूल चलो अभियान रैली को हरी झण्डी दिखा कर रवाना किया। इस दौरान जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि प्रतीक राय शर्मा,खण्ड विकास अधिकारी अरुण कुमार श्रीवास्तव,उ0प्रा0शि0 संघ के जिलाध्यक्ष राधेरमण त्रिपाठी ने अपने विचार व्यक्त किये। खण्ड शिक्षा अधिकारी महेन्द्र कुमार ने मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह भेंट किया और आये हुए अतिथियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया और कहा कि शिक्षा से ही सम्पूर्ण विकास सम्भव है और सरकार द्वारा दिये जा रहे डीबीटी के पैसे से अभिभावक अपने बच्चों के लिए ड्रेस,जूता,मोजा खरीदें और नियमित विद्यालय भेजें। कार्यक्रम का संचालन हरिश्चंद्र,राकेश प्रताप व अध्यक्ष बीईडी अरुण कुमार श्रीवास्तव ने किया। कार्यक्रम के आयोजन में ग्राम प्रधान प्रति निधि रवि कुमार,प्रभारी प्रधानाध्यापक बुद्धिराम वरुण,राकेश प्रताप,लाल बहादुर,आशुतोष पाण्डेय,अजय साहू,केशव प्रसाद की भूमिका सराहनीय रही। इस अवसर पर जगदीश वर्मा,प्रकाश नाथ त्रिपाठी,उमेश चन्द,विजय बहादुर,आदित्य अम्बेडकर,रविन्द्र गुरजर सहित सैकड़ों शिक्षक,अभिभावक व बच्चे मौजूद रहे।

विद्यालय के छात्रो ने हाई स्कूल एवं इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा मे लहराया परचम

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। छात्रों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का

नाम रोशन किया है। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ राजेश कुमार श्रीवास्तव व बालिका परिसर की प्रधानाचार्या उमा सिंह ने छात्रों को बधाई देते हुए शिक्षकों और अभिभावकों को उनके सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि यह सफलता कड़ी मेहनत, अनुशासन और निरंतर प्रयास का परिणाम है। आगामी वर्षों में भी इसी तरह के उत्कृष्ट प्रदर्शन की आशा व्यक्त की है।

पंचायती राज दिवस पर हुआ गोष्ठी का आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

इटवा/सिद्धार्थनगर। खुनियांव विकास क्षेत्र अन्तर्गत ग्राम

पंचायत तेलियाडीह में गुरुवार को पंचायती राज दिवस के अवसर पर गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर गोष्ठी में प्रधानमंत्री का सजीव प्रसारण दिखाया गया इसके साथ ही साथ ग्राम पंचायत के विकास कार्य जैसे जन्म–मृत्यु, विकलांग, विधवा, वृद्धा पेंशन, सामूहिक विवाह, आपदा प्रबंधन, लूह के प्रकोप से बचने, स्वच्छ पेयजल आदि के बारे में सचिव ग्राम विकास अधिकारी मोईदुर्रहमान द्वारा उपस्थित लोगों को विस्तृत रूप से जानकारी दिया गया। प्रधान प्रतिनिधि दद्दन सिंह, क्षेत्र पंचायत प्रतिनिधि अबरार अली चौधरी, रोजगार सेवक राजेन्द्र, ग्रामवासी बासदेव, सुनील सिंह आदि उपस्थित रहे।

पहलगाम में आतंकी हमले में मारे गए लोगों को दी अश्रुपूर्ण श्रद्धांजलि

दैनिक बुद्ध का संदेश

मनवापुर। डुमरियागंज तहसील क्षेत्र के मन्नीजोत चौराहे पर से जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले में मारे गए लोगों को भाजपा कार्यकर्ताओं व क्षेत्रीय युवाओं ने कैंडल मार्च निकालकर श्रद्धांजलि अर्पित की। मन्नीजोत चौराहे पर कैंडल मार्च निकालकर मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि देते हुए 2 मिनट का मौन भी रखा गया। इस दौरान प्रधान संघ के मनवापुर ब्लॉक अध्यक्ष लालजी शुक्ला ने कहा कि अब आतंकवाद खात्मे के तरफ बढ़ रहा है हमारी सरकार किसी भी हाल में आतंकवादियों को बख्शने वाली नहीं है। वहीं पेड़रियाजोत में बलेसर यादव रामसेवक राजभर व ग्राम प्रधान नरेंद्र दुबे की अगुवाई में आतंकवादियों का पुतला फूंका गया और आतंकवादियों व पाकिस्तान को सबक सिखाओ के नारे लगाए।हिंदू युवा वाहिनी तत्वाधान में कैंडल मार्च निकाला गया इटवा रामलीला मैदान से शिव शक्ति मंदिर पर समापन किया गया। इस दौरान शत्रुघ्न मिश्रा, संजय मिश्रा, शिव बहादुर वर्मा, अमन मिश्रा, राहुल, हनुमंत यादव, शिवबालक चौरसिया, बलराम चौरसिया, ईश्वरदीन पाण्डेय, संजय मिश्र, राम पाल चौधरी, विवेक श्रीवास्तव, अशोक कुमार पाण्डेय, विन्द्राज गिरि, कप्तान सिंह, राम शब्द उपाध्याय, छोटू चौहान, विनोद सोनी, मयाराम भारती, पंकज कुमार पाण्डेय, शिव कुमार वर्मा, सुमित्रानंदन श्रीवास्तव, रामदेव बाबा,मनोज विश्वकर्मा, गोपाल पाण्डेय, रंजीत यादव, विजय मौर्य, महेश चौहान, दुर्गा प्रजापति, बृजेश पाठक, सुबाष यादव, मदन यादव विश्राम यादव, रामबली चौधरी, विनोद सोनी, राम नरेश यादव रामकुमार चौधरी, रामशब्द उपाध्याय, बृजेश मौर्य, हजारी प्रसाद गुप्ता, मयाराम भारती आदि लोग मौजूद रहे।

श्रीमदभागवत कथा का हुआ समापन, निकाली गई कलश यात्रा

दैनिक बुद्ध का संदेश

त्रिलिठिया/सिद्धार्थनगर। तहसील क्षेत्र शोहरतगढ़ के ग्राम पंचायत बेलवा में श्रीमद्भागवत कथा के समापन के बाद कथा वाचक उदय नारायण पाण्डेय ने यजमान पार्वती सिंह व ग्रामीणों के साथ कलश यात्रा निकाली गई। जो बेलवा गांव में यात्रा कलशों में जल भरकर प्रत्येक घर के पास ले जाया गया, जहां कलश का जल छिटकाया गया और अन्त में कलश जल को बानगंगा नदी में विसर्जित किया गया। श्रीमद्भागवत कथा के समापन के बाद कलश यात्रा आयोजित की जाती है। यह एक पारम्परिक समारोह है, जिसमें देवी–देवताओं का आह्वान किया जाता है और कथा स्थल पर दिव्य ऊर्जा का संचार होता है। कलश यात्रा में कन्याओं या अन्य लोगों द्वारा कलशों में जल भरकर सिर पर रखा जाता है। कलशों को गांव के प्रत्येक घर के पास ले जाया जाता है, जहां कलश का जल घर के अन्दर और बाहर छिटकाया जाता है। अन्त में कलश जल को पवित्र बानगंगा नदी में विसर्जित किया गया। इस दौरान कथा वाचक पंडित उदय नारायण पाण्डेय, यजमान पार्वती सिंह, पुनम सिंह, रीता सिंह, राधा सिंह, मंजू सिंह, रीना सिंह, आरती सिंह, हर्षित सिंह, गगन सिंह, प्रदीप सिंह, महेश सिंह, अक्षत विमान, काव्या, हर्षित सिंह, यशराज सिंह संजू सिंह निकिता सिंह, माही सिंह, गुड्डी, उत्तरा, शानू व श्रीमद्भागवत कथा आयोजक रोहित सिंह सहित भारी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

जांच हेतु सड़क निर्माण में गड़बड़ी छिपाने को ठेकेदार अधिकारियों ने शुरू कराया काम

जांच टीम की घोषणा होते ही ठेकेदार मशीन लेकर मौके पर पहुंचे, 26 अप्रैल को आयेगी जांच टीम

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। विधानसभा क्षेत्र शोहरतगढ़ की कुछ सड़कों में ठेकेदार और विभाग की मिलीभगत से निर्माण में गड़बड़ी पाई गई थी। जनहित को ध्यान में रखते हुए विधायक विनय वर्मा ने उक्त मामले की जांच के लिए वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया था।

वहीं विधायक का संज्ञान लेते हुए इस सम्बन्ध में जांच के निर्देश दिये गये, जिसके क्रम में विधायक विनय वर्मा को प्रमुख अभियन्ता (परिकल्पन और नियोजन) द्वारा एक जांच कमेटी भेजने की जानकारी शुक्रवार को दी गई। पत्र में उल्लेखनीय है कि कमेटी के सदस्य दिनांक 26 और 27 अप्रैल को मौके पर जाकर खराब सड़क की जांच की जायेगी। वहीं दुर्भाग्यवश जांच कमेटी की जानकारी ठेकेदारों तक पहुंचा दी गई। जांच कमेटी के सदस्यों के आने से पहले ही ठेकेदार ने अधिकारियों के साथ मिलकर वहां काम शुरू करवा दिया। इससे ठेकेदार और अधिकारियों की बड़ी मिलीभगत साफ जाहिर हो गई है। शीर्ष अधिकारियों को संज्ञान लेकर ऐसे भ्रष्ट ठेकेदार और अफसरों के खिलाफ एक्शन लेना चाहिए। वहीं ऐसे ठेकेदार और अफसर मिलीभगत से जनता का पैसा बर्बाद करते हैं और बदनामी क्षेत्रीय विधायक और उ0प्र0 सरकार की होती है। आपको बता दें कि निरीक्षण के लिए प्रस्तावित सड़कें जो क्रमशः चेतिया से बैजनाथ मार्ग (विशेष मरम्मत), इण्डो–नेपाल बॉर्डर मार्ग से पिपरहवा मार्ग (नव निर्माण), नवडिहवा सम्पर्क मार्ग (विशेष मरम्मत) व डी0डी0 रोड से ससरी सम्पर्क मार्ग (विशेष मरम्मत) है। विधायक विनय वर्मा ने कहा कि जनता के टैक्स के पैसे से बनने वाली सड़कों की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होगा। उनकी जनसेवा के लिए प्रतिबद्धता पूरी तरह अटल है।

सम्पादकीय

एक बहादुर व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी गई, जब वह हमलावर आतंकी से हथियार छीनने की कोशिश कर रहा था। कश्मीरियों के बारे में गलत धारणाओं को दूर करने के लिये उनके निरूस्वार्थ साहस और वीरता को व्यापक रूप से स्वीकार किया जाना चाहिए। बल्कि उनकी प्रशंसा की जानी चाहिए। एक कायरतापूर्ण आतंकी हमले के लिये ...

केंद्र–राज्य विभाजनकारियों पर लगाम लगाएं

इसमें दो राय नहीं कि सीमा पार पाक के सत्ता प्रतिष्ठानों की शह पर कट्टरपंथी ताकतों की साजिश के चलते पहलगाम में पर्यटकों पर हुआ हमला बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है, जो आतंकियों की हताशा को ही दर्शाता है। लेकिन पहलगाम का आतंकी हमला कश्मीरियों पर दोहरी मार है। इस हमले का कश्मीर के पर्यटन उद्योग पर घातक प्रभाव नजर आ रहा है। जिस तेजी से पर्यटक कश्मीर छोड़ रहे हैं और बाकी लोग अपनी अग्रिम बुकिंग रद्द करा रहे हैं, वह कश्मीरियों के लिये अप्रत्याशित है। शायद स्थितियां सामान्य होने में वर्षों लग जाएंगे। घाटी में रहने वाले लोग पर्यटकों की संख्या में अभूतपूर्व कमी के कारण भारी नुकसान की आशंका जता रहे हैं। दरअसल लंबे अंतराल के बाद कश्मीर के पर्यटन उद्योग के पटरी पर लौटने के बाद स्थानीय लोगों ने ऋण लेकर अपने कारोबार नये सिरे से खड़े किए थे। अब उन लोगों के सामने न केवल जीविका का संकट है बल्कि फिक्र है कि वे लिए गये कर्ज कैसे चुकाएंगे। उनकी आकांक्षा है कि घाटी में स्थितियां जल्दी से सामान्य हों। वहीं इस संकट का दूसरा पहलू अन्य राज्यों में रह रहे कश्मीरी छात्रों और व्यापारियों की सुरक्षा को लेकर है। निस्संदेह, पहलगाम की घटना ने पूरे देश को दुखी किया है। जैसे–जैसे आतंकियों के निर्मम हमले से जुड़ी कहानियां निकल रही हैं, समाज में तल्ख प्रतिक्रिया नजर आ रही है। कश्मीरी लोग आशंकित हैं कहीं इस आक्रोश से उपजे रोष का शिकार कश्मीर मूल के लोगों को न होना पड़े। निश्चित रूप से किसी भी सभ्य समाज में ऐसी कोई प्रतिक्रिया नहीं होनी चाहिए कि आतंकवादियों के कुकृत्यों का खमियाजा निर्दोष लोगों को भुगतना पड़े। यही वजह है कि जम्मू–कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती और पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के प्रमुख सज्जाद लोन जैसे प्रमुख राजनेताओं ने कश्मीरियों की सुरक्षा को लेकर चिंता जतायी है। ऐसे में केंद्र व राज्य सरकारों से उम्मीद की जा रही है कि वे विभाजनकारी तत्वों पर नकेल डालेंगे। निस्संदेह, इस बात को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए कि पहलगाम की दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बाद पहली बार घाटी में आतंकवाद के खिलाफ मुखर प्रतिक्रिया सामने आई है। कश्मीर में सक्रिय रहने वाले राजनीतिक दलों, व्यापार निकायों और सामाजिक–धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ ही आम लोगों ने भी पहलगाम हमले के दौरान हुई पर्यटकों की हत्या की निंदा की है। उन्होंने सीमा पार से आतंकवाद की पाठशाला चलाने वाले लोगों को सख्त संदेश दिया कि हमारे मामलों में तुम्हें फिक्र करने की जरूरत नहीं है। कश्मीर के लोगों ने साफ संदेश भेजा है कि दु हमारे नाम पर नहीं। कश्मीरियों ने बताया कि उन्हें उन आतंकवादियों से किसी भी तरह की सहानुभूति नहीं है, जो मानवता के खिलाफ अपने अपराधों से कश्मीर के साथ–साथ इस्लाम को भी बदनाम कर रहे हैं। निस्संदेह, पहलगाम के क्रूर हमले के बाद पूरे देश में गुस्सा चरम पर है। ऐसे में राजनीतिक दलों और धार्मिक संगठनों को इस आक्रोश को बढ़ाने के बजाय इसे शांत करने का प्रयास करना चाहिए। देश के संघीय स्वरूप व सद्भावना की हर कीमत पर रक्षा की ही जानी चाहिए। पहलगाम की घटना के बाद तल्खी दिखा रहे लोगों को याद रखना चाहिए कि वह कश्मीरी टट्टूवाला सैयद आदिल हुसैन शाह ही था, जिसने बंदूकधारी आतंकवादियों से पर्यटकों को बचाने की कोशिश करते हुए अपनी जान कुर्बान कर दी थी। एक बहादुर व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी गई, जब वह हमलावर आतंकी से हथियार छीनने की कोशिश कर रहा था। कश्मीरियों के बारे में गलत धारणाओं को दूर करने के लिये उनके निरूस्वार्थ साहस और वीरता को व्यापक रूप से स्वीकार किया जाना चाहिए। बल्कि उनकी प्रशंसा की जानी चाहिए। एक कायरतापूर्ण आतंकी हमले के लिये पूरे राज्य के लोगों को दोषी ठहराना साम्प्रदायिक सद्भाव को पलीता लगाने जैसा है, जो हमारे धर्मनिरपेक्ष सामाजिक ताने–बाने को नुकसान भी पहुंचा सकता है। हमें विगत में आतंकी हमले के लिए संप्रदाय विशेष को दोषी ठहराने के बाद हुई प्रतिक्रियाओं को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। कोशिश हो घटनाक्रम के बाद उपजे शोर में समझदार आवाजें दब न जाएं।

बुद्ध की डायरी : आष्टांगिक मार्ग शाश्वत है

गौतम बुद्ध जानते हैं कि संसार दुःखमय है। इसीलिए महात्मा बुद्ध ने दुःख से मुक्ति के लिए अष्टांगिक मार्ग (आठ मार्ग) का वर्णन किया है। वे सम्यक .ष्टि को सर्वोच्च मानते हैं। सही .ष्टिकोण, जो दुखों के बारे में सच्चाई को समझने से होता है। इसके साथ ही महात्मा सम्यक संकल्प की बात करते हैं। सही विचार, जो अच्छे इरादों और विचारों को प्रोत्साहित करते हैं। सम्यक वाणी सामाजिक ज्ञान को परिष्कृत करती है। बुद्ध सही भाषा की बात करते हैं। जो झूठी या हानिकारक बात करने से बचती है। आज बहुतों की वाणी में अहंकार परिलक्षित होता है। इससे वे दूर रहने की बात करते हैं। महात्मा के लिए सम्यक कर्मांत महत्वपूर्ण है। सही कार्य, जो दूसरों को नुकसान पहुंचाने से दूर रहते हैं। आज कल प्रायः व्यक्ति दूसरों को मर्माहत करने की बात करते हैं। बुद्ध के लिए सम्यक आजीविका ही सब कुछ है सही व्यवसाय, जो दूसरों को नुकसान न पहुंचाता हो। इसके साथ ही सम्यक व्यायाम महत्वपूर्ण है। सही प्रयास, जो जीवन को बेहतर बनाने के लिए किए जाते हैं। गौतम सम्यक स्मृति का संदेश देते हैं। सही यादददाश्त, जो सही और गलत के बीच अंतर को समझने में मदद करती है। महात्मा बुद्ध के लिए सम्यक समाधि की अवधारणा शाश्वत है। सही एकाग्रता, जो ध्यान के माध्यम से प्राप्त होती है। बुद्ध जानते हैं कि अष्टांगिक मार्ग का पालन करके, लोग अज्ञान और दुःख से मुक्ति प्राप्त कर सकते हैं और निर्वाण की अवस्था में जा सकते हैं। वे जानते हैं कि संसार दुःखमय है। दुःख से मुक्ति के लिए गौतम बुद्ध द्वारा प्रतिपादित आष्टांगिक मार्ग पर चलना ही होगा।

लेखक विनय कांत मिश्र/
दैनिक बुद्ध का संदेश

न्याय की मजबूत बुनियाद से ही सशक्त लोकतंत्र

उच्च न्यायालय और जिला न्यायालयों में जजों के लगभग 30 प्रतिशत पद रिक्त हैं। सीमांत और पर्वतीय जिलों जैसे चमोली, पिथौरागढ़ और उत्तरकाशी में न तो प्रभावी कानूनी सहायता है और न ही नियमित न्यायिक सेवाएं। यह रिपोर्ट महज आंकड़ों का दस्तावेज नहीं है, बल्कि एक चेतावनी है। यह हमें स्मरण कराती है कि यदि न्याय की नींव कमजोर होगी, तो लोकतंत्र की इमारत कभी टिक नहीं सकती...

जयसिंह रावत

न्याय किसी भी शासन–तंत्र का सबसे महत्वपूर्ण तत्व होता है। यदि समाज में न्याय ही सुनिश्चित न हो, तो लोकतंत्र, संविधान और विकास के सारे दावे खोखले प्रतीत होते हैं। भारत न्याय रिपोर्ट 2025 ने देश की न्यायिक व्यवस्था की जो तस्वीर पेश की है, वह चौंकाने वाली है। यह रिपोर्ट चार स्तंभों पुलिस, जेल, न्यायपालिका और कानूनी सहायता के प्रदर्शन के आधार पर राज्यों का आकलन करती है। रिपोर्ट बताती है कि आम भारतीय नागरिक को न्याय पाने के लिए आज भी लंबी, कठिन और कई बार अपमानजनक प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है।

देश में मानवाधिकारों की स्थिति चिंताजनक बनती जा रही है। यह केवल अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों का कथन नहीं, बल्कि आंकड़ों से पुष्ट सच्चाई है। जेलों की हालत इतनी दयनीय है कि कई राज्यों की जेलों में 150 प्रतिशत से भी अधिक की कैदियों की भीड़ है। इनमें से अधिकतर कैदी विचाराधीन हैं, यानी उन्हें किसी अदालत ने दोषी सिद्ध नहीं किया, फिर भी वे वर्षों से कारावास में हैं। यह स्थिति केवल कानून की विफलता नहीं, बल्कि संविधान के अनुच्छेद 21 में जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार का भी उल्लंघन है। पुलिस, जो न्याय प्रक्रिया की पहली कड़ी होती है, वह खुद जवाबदेही और पारदर्शिता के संकट से जूझ रही है। रिपोर्ट बताती है कि कई राज्यों में पुलिस बल के 25–30 प्रतिशत तक पद खाली हैं। प्रशिक्षण की कमी, मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं का अभाव और अत्यधिक कार्यभार के चलते पुलिसकर्मी थके हुए। वे कभी–कभी हिंसक व्यवहार करने लगते हैं। अल्पसंख्यकों और कमजोर वर्गों के प्रति पुलिस का रवैया अब भी कठोर और कई बार पक्षपातपूर्ण पाया गया है। जेलों में कैदियों की भीड़ और बुनियादी सुविधाओं की भारी कमी के कारण जेलें सुधार गृह नहीं, बल्कि मानवाधिकार हनन के केंद्र बन गई हैं। मानसिक रूप से बीमार कैदी, बुजुर्ग और महिलाएं सबसे अधिक पीड़ित हैं। मनोरोग विशेषज्ञों और परामर्शदाताओं की अनुपस्थिति, अत्यधिक गर्मी–सर्दी में राहत की व्यवस्था का अभाव और कानूनी सलाह की पहुंच न होना, इस स्थिति को और भी गंभीर बना देता है।

न्यायपालिका की स्थिति भी बेहतर नहीं कही जा सकती। करोड़ों मुकदमे अदालतों में लंबित हैं। रिपोर्ट बताती है कि उच्च न्यायालयों और जिला अदालतों में जजों के लगभग 30 प्रतिशत पद रिक्त हैं। एक सामान्य नागरिक को अपना मुकदमा निपटाने में 10–15 वर्ष तक इंतजार करना पड़ता है। विलंबित न्याय, अन्याय होता है, यह कहावत अब भारत में कड़वी सच्चाई बन गई है। ई–कोर्ट्स और तकनीक आधारित समाधान का प्रसार अभी तक केवल कुछ मेट्रो शहरों तक सीमित है, जबकि दूरदराज के क्षेत्रों में लोग आज भी कागज और रजिस्टरों पर आधारित व्यवस्था से जूझ रहे हैं। यदि सबसे कमजोर प्रदर्शन करने वाले राज्यों की बात की जाए, तो उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और छत्तीसगढ़ का नाम विशेष रूप से सामने आता है। उत्तर प्रदेश में जेलों की अत्यधिक भीड़, पुलिस पर जवाबदेही की कमी, हिरासत में मौतें और लाखों लंबित मामले न्याय व्यवस्था की विसंगति को उजागर करते हैं। बिहार में प्रति लाख जनसंख्या पर जजों की संख्या सबसे कम है और कानूनी सहायता लगभग अनुपस्थित है। झारखंड और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में आदिवासी क्षेत्रों में फर्जी गिरफ्तारियां, पुलिस हिंसा और जेलों में वर्षों तक विचाराधीन कैदियों की उपस्थिति एक गंभीर सवाल खड़ा करती है। इनके विपरीत, कुछ राज्य ऐसे भी हैं जिन्होंने न्यायिक व्यवस्था को बेहतर बनाने की दिशा में गंभीर प्रयास किए हैं। केरल, कर्नाटक और तमिलनाडु जैसे राज्यों ने अपेक्षाकृत बेहतर प्रदर्शन किया है। इन राज्यों में पुलिस बल अपेक्षाकृत प्रशिक्षित और बहुभाषायी है, जजों की नियुक्ति समय पर होती है, कानूनी सहायता का ढांचा सक्रिय है और जेलों में भीड़ नियंत्रण में है। यह इस बात का प्रमाण है कि यदि राजनीतिक इच्छाशक्ति हो, तो न्याय व्यवस्था को सुधारा जा सकता है। उत्तराखंड जैसे अपेक्षाकृत छोटे राज्य को बेहतर प्रदर्शन करना चाहिए था, लेकिन रिपोर्ट बताती है कि यहां भी न्यायिक ढांचे में कई कमियां हैं। पुलिस बल में 20 प्रतिशत रिक्तियां हैं, महिला पुलिस की भागीदारी बेहद कम है और जेलों में 120 प्रतिशत से अधिक कैदियों की भीड़ है। उच्च न्यायालय और जिला न्यायालयों में जजों के लगभग 30 प्रतिशत पद रिक्त हैं। सीमांत और पर्वतीय जिलों जैसे चमोली, पिथौरागढ़ और उत्तरकाशी में न तो प्रभावी कानूनी सहायता है और न ही नियमित न्यायिक सेवाएं। यह रिपोर्ट महज आंकड़ों का दस्तावेज नहीं है, बल्कि एक चेतावनी है। यह हमें स्मरण कराती है कि यदि न्याय की नींव कमजोर होगी, तो लोकतंत्र की इमारत कभी टिक नहीं सकती। केवल चुनाव, योजनाएं और विकास के आंकड़े पर्याप्त नहीं, जब तक कि समाज का हर वर्ग न्याय तक सहज, सुरक्षित और सुलभ पहुंच न पाए।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

पहलगाम हमले के बाद रणनीतिक कदम का सवाल

बैसरन हमले के जवाब में रणनीति बनाते समय मोदी को पूरा अहसास होगा कि देश के कोने–कोने से आए निर्दोष नागरिकों की हत्या का यह कांड भारतीय जनता के लिए 'अस्वीकार्य' की श्रेणी में है। इसके उलट, उड़ी और पुलवामा में हुए हमले भारतीय सैनिकों के खिलाफ थे। जाहिर है, कोई भी प्रतिक्रिया अचानक से या तत्काल नहीं हो सकती, लेकिन वह होनी चाहिए...

विवेक काटजू

गत 22 अप्रैल को पहलगाम के बैसरन में निर्दोष पर्यटकों पर हुए कायराना आतंकवादी हमले से पूरा देश बहुत गुस्से और व्यथा में है। इस हमले में भारत के विभिन्न हिस्सों से आए 28 निर्दोष पर्यटकों की जान चली गई। देश के समूचे राजनीतिक वर्ग ने इसकी निंदा की है, हालांकि कुछ विपक्षी दल यह मांग भी कर रहे हैं कि केंद्र शासित प्रदेश जम्मू–कश्मीर में सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के जिम्मेदार लोगों से जवाबतलबी हो। अंतर्राष्ट्रीय समुदाय ने भी इस जघन्य कांड की भर्त्सना की है और महत्वपूर्ण देशों के नेताओं ने कहा है कि वे आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ खड़े हैं।

हालांकि, इस तरह का समर्थन पर्दे के पीछे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से संयम बरतने की अपील के बावजूद है, तथ्य यह है कि यह हमला मोदी सरकार के समक्ष सुरक्षा एवं जनसंपर्कों में बहुत गंभीर चुनौती पेश करता है। पुलवामा या गलवान के विपरीत, जहां बल कर्मी शहीद हुए, बैसरन में आतंकवादियों ने निर्ममतापूर्वक नागरिकों को चुन–चुनकर निशाना बनाया। इसलिए यह कहना कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी कि देश की निगाहें मोदी पर होंगी। यह उम्मीद की जाएगी कि वह बैसरन के अपराधियों, उन्हें सहायता देने वालों तथा प्रायोजित करने वालों को पूर्ण तथा माकूल जवाब देंगे, खासकर 2019 के बाद से जम्मू–कश्मीर में सामान्य स्थिति बहाल करने के दावों के बाद।

इस कांड को अंजाम देने का दावा 'रेजिस्टेंस फ्रंट' नामक संगठन द्वारा ली गई है, जिसके बारे में माना जाता है कि वह लश्कर–ए–तैयबा (एलईटी) से संबंधित है। जिन लोगों को भारत के खिलाफ पाकिस्तानी आतंकवाद के तौर–तरीकों के अध्ययन करने का लंबा अनुभव है, उन्हें सहज रूप से पता होगा कि इस तरह का हमला पाकिस्तानी जनरलों के खास आदेशों के बिना कभी संभव नहीं है। इसलिए, सर्वप्रथम आकलन उस वजह का बनता है जिसके कारण पाकिस्तानी जनरलों ने हमले का आदेश दिया होगा। अफगान तालिबान के साथ भारत के संबंधों में प्रगति से वे नाखुश हैं, इस पर उन्होंने काफी नजर बनाए रखी है। वे भारत को तहरीक–ए–तालिबान –ए–पाकिस्तान और बलूच विद्रोही समूहों की मदद करने में जिम्मेदार मानते हैं। इस सबके अलावा 11 मार्च को जाफर एक्सप्रेस पर बलूच लिबरेशन आर्मी के हमले के बाद भारत के प्रति उनका गुस्सा और तीव्र हुआ। पाकिस्तानी सेना ने उस हमले के लिए भारत को सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराया। हालांकि पाकिस्तानी प्रतिष्ठान और उसके विदेश मंत्रालय की प्रतिक्रिया अधिक संयमित और सतर्क थी।

जाफर एक्सप्रेस पर हमले के बाद पाकिस्तान में जो कुछ हुआ उसके तमाम पहलुओं का अध्ययन करने के बाद इस लेखक ने गत 21 मार्च को फर्स्टपोस्ट में एक लेख लिखा। इसका समापन पैराग्राफ बैसरन हमले में प्रासंगिक है और इस प्रकार है : 'बीएलए हमले के तुरंत बाद, पाकिस्तानी सेना ने कहा कि इसके साथ खेल के नियम बदल गए हैं। चौधरी (लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी, महानिदेशक, इंटर–सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस) से एक प्रेस वार्ता में इन शब्दों की व्याख्या करने के लिए कहा गया था। इस पर उन्होंने जो शब्द कहे उन पर भारतीय विश्लेषकों और नीति–निर्माताओं को बारीकी से ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा : 'बीएलए और (आतंकी समूहों) से उसी तरह निपटा जाएगा जिसके वे हकदार हैं और यही बात उनके सूत्रधारों और उकसाने वालों पर भी लागू है, चाहे वे पाकिस्तान के अंदर हों या बाहर।' पाकिस्तानी सेना अपना हिसाब चुकता करने में 'बदल' (जिसका पश्तो में अर्थ है बदला) परंपरा का पालन करती है। भारत के खिलाफ यही करती आई है, यह बात अलग है इस चक्कर में उन्होंने देश को कंगाल बना डाला। टकराव के अलावा उसे कोई राह न सूझती। यह उनकी फितरत का हिस्सा है व हरेक सेना प्रमुख को यही दिखाना होता है कि माकूल जवाब देने में वह सबसे आगे है, खासकर उस संस्था पर हमले के मामले में जिसका वह नेतृत्व करता है, जिसको लेकर राय या गलतफहमी पाले रखता है कि वह भारत का काम है। ऐसे में संभव है कि पाकिस्तानी सेना निकट भविष्य में भारत में किसी आतंकवादी घटना को प्रायोजित करने का प्रयास करे। इसमें संदेह नहीं कि भारतीय नीति निर्माता इस बड़ी संभावना से अवगत रहे होंगे। भारतीय प्रतिष्ठान को यह खुला संदेश देना चाहिए कि किसी भी पाकिस्तानी दुस्साहस का उचित जवाब दिया जाएगा और यह भी कि स्थिति के आगे बिगड़ने की पूरी जिम्मेदारी उसकी होगी। यह अवसर बालाकोट हमले से अपनाए गए 'पूर्व–प्रतिक्रिया सिद्धांत' को दोहराने का एक उपयुक्त ढंग खोजने का भी है। अग्रणी एवं मित्र देशों को यह भी सूचित किया जाना चाहिए कि वे पाकिस्तान को जम्मू–कश्मीर तथा अन्य स्थानों पर प्रायोजित आतंकवाद से गर्मी बढ़ाने के खिलाफ चेतावनी दें। और, निश्चित रूप से उन्हें पाकिस्तान को स्पष्ट कर देना चाहिए कि वे दोनों देशों के बीच लंबे समय से चले आ रहे मतभेदों के हल में हस्तक्षेप न करें, जैसा कि पाकिस्तानी सेना हमेशा से करवाना चाहती रही है। यह स्पष्ट नहीं कि भारतीय सुरक्षा प्रतिष्ठान ने चौधरी की उक्त मीडिया ब्रीफिंग को कितनी गंभीरता से लिया, लेकिन भारत में 16 अप्रैल को विदेशी पाकिस्तानियों को दिए गए पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर के बयान पर काफी ध्यान दिया गया है। जब उन्होंने दो–राष्ट्र सिद्धांत का जिक्र किया था, जो पाकिस्तानी सोच की आखिरी सीमा है और जिसकी रक्षा करने की शपथ सेना ने ले रखी है, मुनीर ने स्पष्ट रूप कह डाला, जो सेना और अधिकांश पाकिस्तानी अंदर ही अंदर मानते हैं, लेकिन कहते नहीं यानी हिंदू और मुसलमान दो अलहदा मुल्क हैं, जिनमें कोई मेल नहीं हो सकता।

पोप फ्रांसिस के अंतिम संस्कार की तैयारी पूरी, रोम में ये दिग्गज नेता और गणमान्य होंगे शामिल

रोमन कैथोलिक चर्च के सबसे लोकप्रिय धर्मगुरुओं में से एक पोप फ्रांसिस का अंतिम संस्कार 26 अप्रैल को किया जाएगा। पोप फ्रांसिस का ईस्टर सोमवार वाली 21 अप्रैल को निधन हो गया था। वर्तमान में पोप फ्रांसिस के पार्थिव शरीर को वेटिकन सिटी के सेंट पीटर्स बेसिलिका में रखा गया है जहां राजकीय सम्मान के साथ वो विश्राम कर रहे हैं।

बता दें कि पोप का अंतिम संस्कार शनिवार 26 अप्रैल को सेंट पीटर्स बेसिलिका में किया जाना है। पोप के अंतिम संस्कार में कई वैश्विक नेता उपस्थित होंगे और उन्हें श्रद्धांजलि देंगे। अंतिम संस्कार में शामिल होने वाले नेताओं की सूची काफी लंबी है। पोप फ्रांसिस को अंतिम श्रद्धांजलि देने और उनके अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए प्रिंस विलियम, डोनाल्ड ट्रंप से लेकर कई अन्य नेताओं का जमावड़ा लगेगा। बता दें कि भारत की ओर से राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु इस सप्ताह के अंत में किए जाने वाले पोप फ्रांसिस के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए शुक्रवार को वेटिकन सिटी रवाना हो चुकी हैं। राष्ट्रपति मुर्मु के साथ केंद्रीय संसदीय कार्य एवं अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू, अल्पसंख्यक मामलों एवं मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी राज्य मंत्री जॉर्ज कुरियन और गोवा विधानसभा के उपाध्यक्ष जोशुआ डी सूजा भी हैं।

अमेरिका अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प अपनी पत्नी मेलानिया के साथ पोप के अंतिम संस्कार में शामिल होंगे। ट्रुथ सोशल पर एक सोशल मीडिया पोस्ट में ट्रम्प ने कहा, मेलानिया और मैं रोम में पोप फ्रांसिस के अंतिम संस्कार में जाएंगे। हम वहां होने की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

यूनाइटेड किंगडम केंसिंग्टन पैलेस द्वारा मिली जानकारी के मुताबिक प्रिंस विलियम शाही परिवार की ओर से वेटिकन में 88 वर्षीय पोप के अंतिम संस्कार में शामिल होंगे। प्रिंस विलियम इस महीने की शुरुआत में रानी कैमिला के साथ रोम आए थे। वहां उन्होंने पोप से वेटिकन में मुलाकात भी की थी। वहीं 10 डाउनिंग स्ट्रीट ने पुष्टि की है कि प्रधानमंत्री कीर स्टारमर भी अंतिम संस्कार में शामिल होंगे, क्योंकि उन्हें निमंत्रण मिला है।

यूरोपीय संघः मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यूरोपीय संघ का कहना है कि आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन रोम जाएंगी। पोप को श्रद्धांजलि देते हुए उन्होंने कहा कि उन्होंने कैथोलिक चर्च से परे, लाखों लोगों को अपनी विनम्रता और कम भाग्यशाली लोगों के प्रति शुद्ध प्रेम से प्रेरित किया।

फ्रांसः फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों भी अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए रोम पहुंचेंगे। पोप को श्रद्धांजलि देने पहुंचने से पहले उन्होंने कहा कि इस पोप के अंतिम संस्कार में शामिल होंगे जैसा कि हमें होना चाहिए। बता दें कि पोप की मृत्यु के बाद मैक्रों ने हिंद महासागर क्षेत्र का दौरा बीच में ही छोड़ दिया था। अर्जेंटीनाः पोप फ्रांसिस के गृह देश अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर माइली अंतिम संस्कार में शिरकत करेंगे। बता दें कि पोप का अपने देश अर्जेंटीना की राजनीति के साथ नाजुक रिश्ता था। पोप का जन्म अर्जेंटीना में वर्ष 1936 में हुआ था। ब्राजीलः ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा और उनकी पत्नी जंजा अंतिम संस्कार में शामिल होंगे। इसके बारे में बोलते हुए लूला ने कहा कि फ्रांसिस ने 'उन आर्थिक मॉडलों की कड़ी आलोचना की है जिन्होंने मानवता के साथ बहुत अन्याय किया है'। इस बीच, ब्राजील ने भी पोप के लिए सात दिन का शोक घोषित किया। इस अंतिम संस्कार में शामिल होने वाले अन्य गणमान्य व्यक्तियों में आयरलैंड से प्रधानमंत्री माइकल मार्टिन, स्पेन से राजा फेलिप और रानी लेटिजिया, बेल्जियम से राजा फिलिप और रानी मैथिल्डे, प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर के साथ, पूर्वी तिमोर से राष्ट्रपति जोस रामोस-होर्टा, जर्मनी से राष्ट्रपति फ्रैंक-वाल्टर स्टीनमीयर और निवर्तमान चांसलर ओलाफ स्कोल्ज, हंगरी से राष्ट्रपति तामस सुल्योक, इटली से राष्ट्रपति सर्जियो मैटरेला और प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी, लातविया से राष्ट्रपति एडगर्स रिंकेविक्स, लिथुआनिया से राष्ट्रपति गीतानास नौसेदा, पोलैंड से राष्ट्रपति इली बोलोजान, स्विट्जरलैंड से राष्ट्रपति करिन केलर-सटर, चेक गणराज्य से प्रधानमंत्री पेट्र फियाला शामिल हैं। वहीं कुछ ऐसे नेता भी हैं जो पोप फ्रांसिस के अंतिम संस्कार में हिस्सा नहीं लेंगे। इसमें रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू भी शामिल हैं। ये ऐसे नेता हैं जो अंतिम संस्कार में शामिल नहीं होंगे।

रूसः राष्ट्रपति पुतिन अंतिम संस्कार में शामिल नहीं होंगे। अंतिम संस्कार में शामिल ना होने का क्रेमलिन ने कोई विशेष कारण नहीं बताया है। मगर अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायालय के गिरफ्तारी वारंट के कारण उनकी अंतर्राष्ट्रीय यात्रा सीमित हो चुकी है। उन्होंने कैथोलिक चर्च के प्रमुख कार्डिनल केविन फैरेल को एक संदेश भेजा।

इजरायलः इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने पुष्टि की है कि वह अंतिम संस्कार में उपस्थित नहीं होंगे। उनके अलावा ताइवान के राष्ट्रपति लाई चिंग-ते, कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कैनी, चिली के राष्ट्रपति गेब्रियल बोरिक और नीदरलैंड के राजा विलेम अलेक्जेंडर भी पोप के अंतिम संस्कार में शामिल नहीं होंगे।

पहलगाम हमले के बाद बीसीसीआई का बड़ा कदम, पाकिस्तान मैचों को लेकर आईसीसी को पत्र लिखा : रिपोर्ट

दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को घातक आतंकवादी हमला हुआ है, जिसमें 26 मासूम पर्यटकों की जान चली गई थी। इस हमले के बाद भारत सरकार ने कई कड़े कदम पाकिस्तान के खिलाफ उठाए है। इसी कड़ी में कार्रवाई करते हुए अब भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को एक पत्र लिखकर एक बड़ा कदम उठाया है। आईसीसी को लिखे इस पत्र में बीसीसीआई ने आग्रह किया है कि वे आईसीसी टूर्नामेंटों में भारत और पाकिस्तान को एक ही ग्रुप में न रखें।

क्रिकबज की एक रिपोर्ट के अनुसार, बीसीसीआई अब भारत और पाकिस्तान के बीच कोई मुकाबला खेलना नहीं चाहता है। कम से कम आईसीसी के टूर्नामेंट में बीसीसीआई भारत-पाक के बीच कोई मुकाबला नहीं चाहता है। वैसे आईसीसी का अगला टूर्नामेंट सितंबर में खेला जाना है। इस टूर्नामेंट में भारत महिला वनडे विश्व कप की मेजबानी करेगा। पाकिस्तान ने आठ टीमों के टूर्नामेंट में जगह बना ली है, जहां प्रत्येक टीम राउंड-रॉबिन प्रारूप में अन्य सभी प्रतिभागियों के खिलाफ खेलेगी। पूर्व-निर्धारित व्यवस्था के अनुसार, पाकिस्तान भारत में अपना कोई भी मैच नहीं खेलेगा, तथा मेजबान देश ने अभी तक तटस्थ स्थल पर निर्णय नहीं लिया है। इससे पहले बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने पुष्टि की थी कि बीसीसीआई भारत सरकार के फैसले का ही पालन करेगा।

मगर रिपोर्ट में कहा गया कि बीसीसीआई के एक शीर्ष अधिकारी ने वेबसाइट को बताया कि यह घटनाक्रम उनके लिए नई बात है।

एशिया कप के बारे में

पुरुष क्रिकेट का अगला आईसीसी टूर्नामेंट 2026 में होगा। इस टूर्नामेंट का आयोजन फरवरी और मार्च के बीच भारत और श्रीलंका में टी20 विश्व कप का आयोजन किया जाएगा। हालांकि, बीसीसीआई के लिए तत्काल चिंता एशिया कप है, जो सितंबर में भारत की मेजबानी में आयोजित किया जाएगा।

हालांकि, वेबसाइट पर ताजा रिपोर्ट में कहा गया है कि एशियाई क्रिकेट परिषद ने एशिया कप के मीडिया अधिकार बेच दिए हैं - जिसकी औसत चार संस्करणों के लिए 170 मिलियन डॉलर है - यह इस अनौपचारिक समझौते पर आधारित है कि प्रत्येक संस्करण में कम से कम दो भारत-पाकिस्तान मैच होंगे, और यदि दोनों टीमें फाइनल में भिड़ती हैं तो तीसरे मैच की भी संभावना है। मीडिया अधिकार सौदा फ्रंट-या बैक-लोडेड की तुलना में मध्यम-भारी है, जिसका अर्थ है कि 2025 संस्करण की लागत 42.5 मिलियन डॉलर के औसत मूल्य के बजाय लगभग 38 मिलियन डॉलर होगी।

2023 में आयोजित महाद्वीपीय टूर्नामेंट के पिछले संस्करण में, भारत और पाकिस्तान दो बार एक-दूसरे से भिड़े थे - एक बार ग्रुप चरण में और एक बार सुपर फोर में। दूसरा मैच बारिश के कारण रद्द हो गया क्योंकि पाकिस्तान फाइनल में जगह बनाने में असफल रहा। भारत ने फाइनल में श्रीलंका को हराकर टूर्नामेंट जीता।

रिपोर्ट में निष्कर्ष निकाला गया कि हालांकि एशिया कप का ड्रा मई में घोषित होने की उम्मीद है लेकिन एशियाई क्रिकेट परिषद को ड्रा और स्थल दोनों के लिए अपने विकल्पों पर विचार करने में समय लग सकता है। इसमें कहा गया है, आम धारणा यह है कि कोई भी अंतिम निर्णय भारत और पाकिस्तान के बीच मौजूदा तनाव के बढ़ने या घटने पर निर्भर करेगा।

विराट कोहली ने लगाई बड़ी छलांग, अब इस खिलाड़ी से है Orange Cap की जंग, सुरेश रैना ने दी ये सलाह

इंडियन प्रीमियर लीग के मुकाबले अब आगे बढ़ते जा रहे हैं। ऑरेंज कैप को लेकर अब जंग काफी रोचक हो रही है। आईपीएल में ऑरेंज कैप की जंग अब काफी गंभीर होती जा रही है। लखनऊ सुपर जायंट्स के निकोलस पूरन ऑरेंज कैप को लेकर लीड बनाए हुए थे।

हालांकि बीते कुछ मैचों में उनका बल्ला नहीं चल रहा है। अब निकोलस तीसरे नंबर पर आ गए हैं। वहीं रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने जैसे ही 70 रनों की शानदार पारी खेली वैसे ही वो ऑरेंज कैप के हकदार खिलाड़ियों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर काबिज हो गए हैं।

साई सुदर्शन शीर्ष पर

आईपीएल सीजन 2025 में साई सुदर्शन ने सबसे अधिक रन बनाए हैं। वर्तमान में साई सुदर्शन ही ऑरेंज कैप के हकदार बने हुए हैं। गुजरात टाइटंस के साई ऑरेंज कैप की रेस में शीर्ष पर हैं। अबतक आठ मुकाबलों में साई के बल्ले से 417 रन निकले हैं। इस सीजन में सिर्फ साई ही वो बल्लेबाज हैं जिनके बल्ले से 400 से अधिक रन निकले हैं। हालांकि अब विराट कोहली भी इसके काफी पास पहुंच गए हैं।

विराट कोहली अब ऑरेंज कैप की लिस्ट में दूसरे पायदान पर पुहंच गए हैं। इस वर्ष नौ मैचों में विराट के बल्ले से 392 रन निकले हैं। मगर अबतक 400 का आंकड़ा उनका बल्ला पार नहीं कर सका है। इस सीजन में विराट के बल्ले से पांच अर्धशतक निकल चुके हैं। वहीं तीसरे पायदान पर निकोलस पूरन हैं जो नौ मैचों में 377 रन जड़ चुके हैं।

मेरा देश और उसका हित सबसे पहले, पहलगाम हमले के बीच क्यों ट्रोल हुए नीरज चोपड़ा, आलोचकों को अब दिया जवाब

नीरज चोपड़ा ने 24 मई को बेंगलुरु में होने वाले एनसी क्लासिक में पाकिस्तानी भाला फेंक खिलाड़ी अरशद नदीम को आमंत्रित करने के लिए हुई आलोचना का जवाब दिया। भारत में विश्व एथलेटिक्स ए-लेवल इवेंट के आयोजक के रूप में नीरज ने दुनिया भर के शीर्ष भाला फेंक खिलाड़ियों को आमंत्रित करने की जिम्मेदारी संभाली। अरशद नदीम के मौजूदा ओलंपिक चैंपियन होने के कारण, नीरज ने उन्हें इस कार्यक्रम में आमंत्रित किया, जो भारत में अपनी तरह का पहला कुलीन अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक्स आयोजन था। हालांकि, कश्मीर के पहलगाम में हुए घातक आतंकवादी हमले के मद्देनजर, जिसमें 26 भारतीय- 25 पर्यटक और एक स्थानीय- मारे गए, नीरज को नेटिजन्स से कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ा, जिसमें कई लोगों ने उनकी देशभक्ति पर भी सवाल उठाए। घृणा और गालियों से आहत होकर ओलंपिक स्वर्ण और रजत पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी ने सोशल मीडिया पर उन लोगों का मुकाबला किया, जिन्होंने उनकी ईमानदारी पर सवाल उठाया था।

नीरज ने एक्स पर एक बयान में लिखा, मैं आमतौर पर कम बोलता हूं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि मैं जो गलत समझता हूं उसके खिलाफ नहीं बोलूंगा। खासकर तब जब बात हमारे देश के प्रति मेरे प्यार और मेरे परिवार के सम्मान और प्रतिष्ठा पर सवाल उठाने की आती है। नीरज ने कहा, क्लासिक में प्रतिस्पर्धा करने के लिए अरशद नदीम को आमंत्रित करने के मेरे फैसले के बारे में बहुत चर्चा हुई है और इसमें से अधिकांश नफरत और गाली-गलौज ही है।

अरशद को आमंत्रित करने के पीछे अपनी स्थिति और विचार को स्पष्ट करते हुए, नीरज ने कहा, उन्होंने मेरे परिवार को भी इससे बाहर नहीं रखा है। अरशद को दिया गया निमंत्रण एक एथलीट से दूसरे एथलीट को दिया गया था - न ज्यादा, न कम। एनसी क्लासिक का उद्देश्य भारत में सर्वश्रेष्ठ एथलीटों को लाना और हमारे देश को विश्व स्तरीय खेल आयोजनों का घर बनाना था। पहलगाम में आतंकवादी हमले से दो दिन पहले, सोमवार को सभी एथलीटों को निमंत्रण भेजा गया था।

उन्होंने आगे लिखा कि पिछले 48 घंटों में जो कुछ भी हुआ है, उसके बाद एनसी क्लासिक में अरशद की उपस्थिति पूरी तरह से सवाल से बाहर थी। मेरा देश और उसका हित हमेशा पहले आएगा। उन्होंने आगे लिखा, जो लोग अपने लोगों के नुकसान से गुजर रहे हैं, उनके लिए मेरी संवेदनाएँ और प्रार्थनाएँ हैं। पूरे देश के साथ-साथ, जो कुछ हुआ है, उससे मैं भी आहत हूं और क्रोधित हूं। मुझे पूरा भरोसा है कि हमारे देश की प्रतिक्रिया एक राष्ट्र के रूप में हमारी ताकत दिखाएगी और न्याय मिलेगा। मुझे दुख होता है कि मुझे लोगों को अपने बारे में बताना पड़ता है। 27 वर्षीय इस युवा ने अपनी भावनाएँ नहीं छिपाईं, क्योंकि लोगों ने भारत के प्रति उनकी देशभक्ति पर सवाल उठाए थे।

30 साल से हम ये गंदा खेल खेल रहे हैं...आतंक की फैक्ट्री बनने पर क्यों मजबूर हुआ पाकिस्तान? कैमरे पर रक्षा मंत्री ने कर दिया खुलासा

1962 में देवानंद की आई फिल्म असली नकली का मशहूर गाना है लाख छुपाओ छुप न सकेगा, राज हो कितना गहरा। दिल की बात बता देता है, असली नकली चेहरा। कुछ ऐसा ही पाकिस्तान के साथ भी हो गया है। सच्चाई उसके जुबान पर आ गई। आतंक की फैक्ट्री बनकर आतंकवादियों को निर्यात करने की। खुद सबसे बड़ा कबूलनामा और किसी ने नहीं बल्कि पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ने कैमरे के सामने कर दिया है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ का एक बयान इस वक्त सुर्खियों में है। जब पाकिस्तान के रक्षा मंत्री से कहा गया कि पाकिस्तान एक आतंकवादी संगठन का समर्थन कर रहा है, तो उन्होंने दावा किया कि पाकिस्तान पश्चिम के लिए गंदा काम कर रहा है। स्काई न्यूज के साथ अपने इंटरव्यू के दौरान आसिफ ने यह चौंकाने वाला बयान दिया है। इंटरव्यू में आसिफ ने विनाशकारी पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ सुरक्षा उपाय लागू करने के लिए नई दिल्ली की आलोचना की। 22 अप्रैल को, आतंकवादियों ने कश्मीर के पर्यटन स्थल में घुसपैठ की, जिसमें 26 निर्दोष पर्यटक मारे गए। आसिफ ने आतंकवाद को बढ़ावा देने के पाकिस्तान के लंबे इतिहास के बारे में सवालों को टालने की कोशिश की, लेकिन पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ने खुद को मुश्किल में डाल लिया जब उन्होंने कहा कि नकदी की कमी से जूझ रहा यह देश पश्चिम के लिए गंदा काम कर रहा है। जब उनसे पूछा गया कि देश किस तरह से आतंकवादी संगठनों का समर्थन करता है, तो आसिफ ने कहा कि हम पिछले तीन दशकों से अमेरिका के लिए यह गंदा काम कर रहे हैं। आपको बता दें कि पाकिस्तान ने भारत के साथ शिमला समझौते और अन्य द्विपक्षीय समझौतों को स्थगित कर दिया, सभी प्रकार के व्यापार पर रोक लगा दी और भारतीय एयरलाइन के लिए अपने हवाई क्षेत्र को बंद कर दिया। इसके साथ ही उसने कहा कि सिंधु जल संधि के तहत उसके लिए निर्धारित पानी के प्रवाह को रोकने या परिवर्तित करने का कोई भी प्रयास युद्ध छेड़ने के समान माना जाएगा। पाकिस्तान ने वाघा सीमा चौकी को भी बंद कर दिया, दक्षेस वीजा छूट योजना (एसवीईएस) के तहत भारतीय नागरिकों को जारी सभी वीजा भी निलंबित कर दिए हैं तथा भारतीय उच्चायोग में सैन्य सलाहकारों को वापस जाने को कहा। ये घोषणाएं प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की अध्यक्षता में हुई बैठक के बाद की गईं। शरीफ ने पहलगाम हमले के बाद सिंधु जल संधि को निलंबित करने और राजनयिक संबंधों को कमतर करने के भारत के कदमों पर उचित प्रतिक्रिया के संबंध में विचारके लिए सरकार के प्रमुख मंत्रियों और तीनों सेना प्रमुखों के साथ बैठक की।

ब्लूस्मार्ट के सह-संस्थापक पुनीत जग्गी पर गिरी गाज, ईडी ने छापेमारी के बाद हिरासत में लिया

ब्लूस्मार्ट के ऑफिस और ठिकानों पर गुरुवार को प्रवर्तन निदेशालय की टीम ने छापेमारी की है। इसके बाद ब्लूस्मार्ट के सह-संस्थापक पुनीत जग्गी को दिल्ली के एक होटल से हिरासत में लिया गया है। ये जानकारी समाचार एजेंसी पीटीआई ने आधिकारिक सूत्रों के हवाले से शेयर की है। प्रवर्तन निदेशालय ने जेनसोल इंजीनियरिंग लिमिटेड से जुड़े एक मामले में छापेमारी की है। प्रवर्तन निदेशालय ने विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के तहत कंपनी के दिल्ली, गुरुग्राम और अहमदाबाद स्थित ऑफिसों की तलाशी ली है। सेबी की रिपोर्ट में वित्तीय अनियमितताओं की जानकारी मिली है। वहीं कॉर्पोरेट कुशासन और फंड डायवर्जन का आरोप लगाए जाने के बाद प्रवर्तन निदेशालय ने जेनसोल के प्रमोटर अनमोल सिंह जग्गी और पुनीत सिंह जग्गी के खिलाफ जांच शुरू कर दी है। न्यूज एजेंसी पीटीआई की मानें तो अब तक कंपनी ने इस कार्रवाई के बाद कोई बयान जारी नहीं किया है।

ब्लूस्मार्ट की बुकिंग रोक दी गई

अनमोल सिंह जग्गी और पुनीत सिंह जग्गी का दूसरा बिजनेस ब्लूस्मार्ट मोबिलिटी, दिल्ली-एनसीआर, बेंगलुरु और मुंबई में ब्लूस्मार्ट ब्रांड के तहत इलेक्ट्रिक कैब का संचालन करता है। हालांकि, सेबी की रिपोर्ट जारी होने के बाद से कंपनी ने बुकिंग लेना बंद कर दिया है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने भी अगले आदेश तक दोनों भाइयों पर प्रतिभूति बाजार में प्रवेश पर भी रोक लगाई है। सूत्रों ने पीटीआई को बताया कि पुनीत जग्गी को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली के एक होटल से हिरासत में लिया है। वहीं अनमोल जग्गी कथित तौर पर दुबई में है।

दोनों भाइयों की पत्नियां महाराष्ट्र के पुणे में हैं। ईडी के अधिकारियों ने कैमेलियास, डीएलएफ गुरुग्राम और अहमदाबाद में उनके आवासों का भी दौरा किया। सूत्रों ने बताया कि इरेडा और पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन (पीएफसी) की शिकायत के आधार पर दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) द्वारा एफआईआर दर्ज किए जाने के बाद ईडी प्रमोटरों के खिलाफ धन शोधन का मामला दर्ज कर सकता है। जेनसोल ग्रुप पर क्या आरोप हैं? प्रवर्तन निदेशालय की कार्रवाई सेबी के आदेश से उपजी है जिसमें आरोप लगाया गया था कि जेनसोल इंजीनियरिंग ने इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की खरीद और इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण (ईपीसी) अनुबंधों के लिए पीएफसी और आईआरईडीए लिमिटेड से ऋण प्राप्त किया था। हालांकि, सूत्रों से पता चला है कि इन फंडों का उपयोग उनके इच्छित उद्देश्यों के लिए करने के बजाय, कंपनी ने इस धन को प्रमोटरों, उनके रिश्तेदारों या समूह द्वारा स्थापित विभिन्न मुखौटा संस्थाओं के नाम पर संपत्ति खरीदने में लगा दिया।

एजेंसी ने कथित तौर पर इन परिसंपत्तियों की पहचान की है और पाया है कि समूह ने विदेशी मुद्रा अर्जित करने के लिए भी इन धनराशियों का उपयोग किया है। सूत्रों के अनुसार, जेनसोल ने दुबई और अमेरिका सहित विदेशों में कई कंपनियां स्थापित की हैं। ईडी इस दावे की भी जांच कर रही है कि टाटा ई-वाहन वितरक गो ऑटो प्राइवेट लिमिटेड के अजय अग्रवाल ने ऋण राशि का उपयोग ईवी आपूर्ति के लिए करने के बजाय उसे अन्यत्र लगाने में जेनसोल की सहायता की। ईडी की जांच के केंद्र में सेबी के निष्कर्ष हैं जिनसे पता चलता है कि जेनसोल इंजीनियरिंग के प्रमोटरों ने सूचीबद्ध कंपनी को एक मालिकाना फर्म के रूप में माना, और कॉर्पोरेट फंड का दुरुपयोग करके द कैमेलियास, डीएलएफ गुरुग्राम में एक उच्च श्रेणी का अपार्टमेंट खरीदा, लक्जरी गोल्फ सेटों पर पैसा खर्च किया, क्रेडिट कार्ड का भुगतान किया और करीबी रिश्तेदारों को धन हस्तांतरित किया।

आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों की नियुक्ति में भ्रष्टाचार, भाजयुमो नेता ने की जांच की मांग

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों की नियुक्ति में जिला कार्यक्रम अधिकारी द्वारा व्यापक स्तर पर धन उगाही का आरोप लगाते हुये

भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष अमित गुप्ता ने मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग किया है। शिकायती पत्र सौंपते समय प्रदीप चौधरी, उदय सिंह, राजन कन्नौजिया, सूर्यमणि पाण्डेय, विकास सिंह आदि उपस्थित रहे। जिलाधिकारी को सम्बोधित शिकायती पत्र उनके प्रतिनिधि को सौंपते हुये भाजयुमो नेता ने कहा कि सरकार की मंशा नियुक्ति प्रक्रिया को पूरी पारदर्शिता व निष्पक्षता से सम्पन्न कराने की थी लेकिन जनपद में प्राप्त आवेदनों के अनुसार द्वितीय पात्र व्यक्ति को सम्पर्क सूत्रों के माध्यम से सूचित कर प्रथम पात्र व्यक्ति के विरुद्ध फर्जी शिकायत कराई गई और प्रथम पात्र व्यक्ति से इसी आधार पर व्यापक स्तर पर धन उगाही की गई। भाजयुमो नेता ने इस भ्रष्टाचार लिप्त अफसरों के खिलाफ ठोस कार्यवाही की मांग किया है जिससे सरकार की छवि धूमिल न हो।

निर्दोष व निहत्थे नागरिकों पर हमला निहायत कायरना, सबक सिखाये सरकार

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। पहलगाम हमले को लेकर देश के नागरिकों में गुस्सा कायम है। लोग नम आंखों से मृतकों को अंतिम विदाई दे रहे हैं। समूचा विपक्ष सरकार के साथ खड़ा है, ऐसे में भारत सरकार को पहलगाम हमले का माकूल जवाब देना होगा। इधर उधर की बातें छोड़कर भारत सरकार जवाबी कार्यवाही करे। यह बातें कांग्रेस पार्टी के पूर्व अध्यक्ष ज्ञानेन्द्र पाण्डेय ने प्रेस को जारी विज्ञप्ति में कही। उन्होंने कहा सर्वदलीय बैठक में साफ हो चुका है कि पहलगाम में हुआ आतंकी हमला केन्द्र सरकार की चूक का नतीजा है। बगैर देरी किये एक सौ चालीस करोड़ देशवासियों की भावनाओं का सम्मान करते हुये आतंकियों से बदला लेना होगा। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा यह वक्त हिन्दू मुसलमान करने या आरोप प्रत्यारोप का नहीं है। विपक्ष एकजुट है, सेनायें सक्षम हैं सरकार को साहसिक फैसला लेना है। सेवादल के उपाध्यक्ष सुनील कुमार पाण्डय ने कहा आतंकियों की कोई जाति नहीं होती और न ही उनका कोई धर्म होता है। उनका उद्देश्य दहशत फैलाना है। निर्दोष व निहत्थे नागरिकों पर हमला निहायत कायरना है। इसका बदला देशवासियों का सम्मान है। सरकार को दिलेरी दिखाते हुये सेनाओं को निर्देश देना चाहिये कि भारत की आत्मा पर दुश्मनों ने जितना गहरा जख्म दिया है उससे गहरा जख्म उन्हें दे। मो. रफीक खां, देवेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, डा. आलोक रंजन वर्मा, डीएन शास्त्री, लक्ष्मी यादव, शकुन्तला देवी, अवधेश सिंह, शौकत अली, अलीम अख्तर, संदीप श्रीवास्तव, विवेक श्रीवास्तव, सर्वेश शुक्ल, फिरोज अहमद सहित तमाम कांग्रेसी नेताओं ने पहलगाम हमले पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुये पाकिस्तान के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की मांग किया है।

मेडिकल कॉलेज में होमगार्ड से युवक उलझा

देवरिया। मेडिकल कॉलेज की ओपीडी में अस्थि विभाग में बिना नंबर के डॉक्टर कक्ष में जाने से रोकने पर एक युवक होमगार्ड से उलझ गया। समझा–बुझाकर मामला शांत कराया गया। मेडिकल कॉलेज के अस्थि विभाग की ओपीडी में मरीजों की भीड़ रही है। दोपहर बाद करीब एक बजे डॉक्टर के बुलाने पर रिपोर्ट दिखाने के लिए कुछ लोग अंदर गई। इसी बीच एक युवक बिना नंबर के अंदर जाने लगा। होमगार्ड के मना करने पर उलझ गया। इसे लेकर हो–हल्ला होने लगा। समझा–बुझाकर कर मामला शांत कराया गया।

चार बदमाशों पर लगा गुंडा एक्ट

देवरिया। देवरिया जिले की पुलिस ने चार बदमाशों पर गुंडा एक्ट की कार्रवाई की है। खामपार पुलिस ने मुकेश उर्फ साहिल कुमा निवासी सरया टोला छरौछां थाना खामपार, अभिजीत सिंह उर्फ रायफल निवासी धर्मखोर तथा विशाल कुमार निवासी सरया टोला छरौछां पर गुंडा नियंत्रण अधिनियम के तहत कार्रवाई की है। इसके अलावा लार पुलिस ने साहिल अंसारी उर्फ अरमान निवासी मोहल्लापुरब कोईरी टोला वार्ड लार पर गुंडा नियंत्रण अधिनियम के तहत कार्रवाई की है। साहिल के खिलाफ चार मामले लार थाने में दर्ज हैं।

ई-रिक्शा और बाइक की भिड़ंत, तीन घायल

देवरिया। नरौली भीखम मोड़ के पास ई–रिक्शा और बाइक में हुई भिड़त हो गई। बाइक चालक और उसपर सवार दो युवतियों समेत तीन लोग गंभीर रूप घायल हो गए। सलेमपुर कोतवाली क्षेत्र के चांदपलिया निवासी दशरथ प्रसाद (19) पुत्र कैलाश प्रसाद परिवार की दो युवतियों को बाइक से लेकर देवरिया गया था। लौटते समय रौली भीखम मोड़ के पास ई–रिक्शा से टक्कर हो गई। इंस्पेक्टर कल्याण सिंह सागर ने बताया कि युवक को गंभीर चोटें आई हैं। मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है। तहरीर मिलने पर केस दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

गेहूं खरीद की धीमी प्रगति पर डीएम नाराज

देवरिया। डीएम दिव्या मित्तल की अध्यक्षता में कलक्ट्रेट सभागार में गेहूं खरीद के प्रगति की समीक्षा की गई। डीएम ने जनपद में अब तक की धीमी क्रय प्रगति पर नाराजगी जताते हुए जिला प्रबंधक पीसीएफ से स्पष्टीकरण मांगा है। उन्होंने क्रय एजेंसियों को किसानों से सीधा संवाद स्थापित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनपद की सीमाओं पर भी निगरानी बढ़ाई जाए, ताकि गेहूं के अवैध भंडारण एवं परिवहन पर रोक लगाई जा सके। डीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि गेहूं खरीद की दैनिक समीक्षा की जाए और प्रगति से उन्हें नियमित रूप से अवगत कराया जाए।

एसडीएम ने कराई खलिहान के जमीन की पैमाईश

देवरिया। खलिहान की जमीन पर अवैध अतिक्रमण खाली कराने को लेकर एसडीएम ने पैमाइश कराई। पैमाइश करने के बाद आधा दर्जन अतिक्रमणकारियों को नोटिस दिया गया।

तीन दिन में अतिक्रमण नहीं हटा तो गांव में प्रशासन का बुलडोजर चलेगा। स्थानीय विकासखंड के गोविंदपुर लाला गांव निवासी रामचंद्र यादव ने खलिहान की जमीन पर अतिक्रमण कर पक्का मकान बनाने की शिकायत की थी। प्रशासन के कार्रवाई नहीं करने पर शिकायतकर्ता ने हाईकोर्ट की शरण ले ली। हाईकोर्ट ने अवैध अतिक्रमण हटाने का निर्देश जारी किया। को एसडीएम सरदार श्रुति शर्मा, कानूनगो भानु प्रताप, हल्का लेखपाल दीपिका समेत एक दर्जन से अधिक राजस्व कर्मी गांव पहुंचे। भारी फोर्स के साथ गांव पहुंचे प्रशासन की टीम को देखकर गांव में खलबली मच गई। एसडीएम की मौजूदगी में राजस्व कर्मियों ने खलिहान की जमीन का पैमाइश की। इस दौरान रामायण यादव, धीरेंद्र यादव समेत आधा दर्जन लोगों के पक्के मकान अतिक्रमण की जद में आए। राजस्व विभाग ने सभी लोगों को तीन दिन में अतिक्रमण हटाने का नोटिस जारी किया। ग्राम प्रधान मनोज वर्मा सहित रामपुर कारखाना के दर्जनों पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

शहर के तीन वार्डों में लगेंगी स्ट्रीट लाइटें

निचलौल। नगर पंचायत की ओर से शहर के तीन वार्डों में करीब एक करोड़ रुपये की लागत से स्ट्रीट और हाईमास्ट लाइट लगाई जाएगी। इसके लिए शासन की ओर से नगर पंचायत को 40 लाख रुपये मिल चुके हैं। यह लाइटें तीनों वार्डों में प्रमुख चौराहे और सार्वजनिक जगहों पर लगाई जाएगी।

जानकारी के मुताबिक, शहर के वार्ड नंबर छह भोइहवा में 37.79 लाख रुपये की लागत से ओक्टोगोनल पोल पर स्ट्रीट लाइट लगवाई जाएगी। इसी तरह वार्ड नंबर सात के कोर्ट नगर में 31.15 लाख रुपये की लागत से 10 मीटर के ओक्टोगोनल पोल पर हाईमास्क का कार्य कराया जाएगा। जबकि वार्ड नंबर आठ पांडेय नगर में 31.04 लाख रुपये की लागत से 12.5 मीटर ऊंची पोल पर हाईमास्क का कार्य कराया जाएगा।

इसके लिए शासन से नगर पंचायत को पहली किस्त में 40 लाख रुपये मिल भी चुके हैं। लाइट लगवाने के लिए जल्द टेंडर की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। कस्बे के मनोहर, प्रकाश ने बताया कि वार्डों के चौराहों से रात के समय बड़ी संख्या में वाहनों का आवागमन रहता है। जहां पर प्रकाश की पर्याप्त व्यवस्था न होने के कारण वाहन चालकों के साथ ही यहां के लोगों को घर से बाहर निकलने में काफी दिक्कत होती है।

नगर पंचायत अध्यक्ष शिवनाथ मद्धेशिया ने कहा कि शहर में लोगों की सुविधा के लिए सड़क, नाली निर्माण कराने के साथ ही चौराहे और सार्वजनिक जगहों पर प्रकाश की पर्याप्त व्यवस्था कराई जा रही है।

ग्राम सभा पटना में हुई भ्रष्टाचार की खुलने जा रहीं परतें, हाई कोर्ट लखनऊ में दायर हुई रिट याचिका

.हाई कोर्ट लखनऊ हुआ सख्त और मांगा बहराइच जिला अधिकारी से जवाब

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बहराइच। बहराइच जिले के विशेश्वरगंज ब्लॉक अंतर्गत ग्राम सभा पटना में विकास कार्यों को लेकर वित्तीय अनियमितता और भ्रष्टाचार का जमकर खेल खेला गया, जिसको लेकर ग्राम सभा पटना के देवी प्रसाद त्रिपाठी के द्वारा मुख्यमंत्री कार्यालय में शिकायत की गई। शिकायत को संज्ञान में लेकर मुख्यमंत्री कार्यालय ने जिला अधिकारी बहराइच को कार्यवाही करने को कहा, जिस पर जिलाधिकारी बहराइच ने 7 जनवरी 2025 को टीम गठित किया। तत्पश्चात 27 जनवरी 2025 को जिलाधिकारी के निर्देश पर जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी एवं सहायक अभियंता उत्तर प्रदेश लघु उद्योग ने मौके पर जाकर शिकायतकर्ता देवी प्रसाद त्रिपाठी ग्राम सभा पटना विकासखंड विशेश्वरगंज बहराइच की शिकायत पर जांच करने पहुंचे। जांच करने के उपरांत रिपोर्ट बनाकर जिला अधिकारी बहराइच को भेज दिया, जांचकर्ता अधिकारी ने अपनी जांच रिपोर्ट में ग्राम सभा पटना में विभिन्न मदों में की गई वित्तीय अनियमितता को सही ठहराया। जांच रिपोर्ट सौंपने के बाद कोई प्रगति न देखकर शिकायतकर्ता ने जनसुनवाई पोर्टल पर आईजीआरएस संदर्भ संख्या 40018025015043 के माध्यम से 17 अप्रैल 2025 को उपनिदेशक (पंचायत) देवी पाटन मंडल गोंडा के समक्ष ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई तो उपनिदेशक (पंचायत) देवीपाटन मंडल गोंडा ने जिला पंचायत राज अधिकारी बहराइच से जवाब मांगा, जिस पर जिला पंचायत राज अधिकारी ने जवाब देते हुए आख्या रिपोर्ट लगाया कि इस मामले की जांच पहले ही जांचकर्ता अधिकारी से करवाई जा चुकी है इसलिए अब इस मामले की जांच पुनः नहीं हो सकती, ऐसा ही रिपोर्ट सहायक विकास अधिकारी पंचायत विशेश्वरगंज बहराइच ने लगाकर जवाब उपनिदेशक (पंचायत) देवीपाटन मंडल गोंडा को भेज दिया। जब जांच आख्या रिपोर्ट को देखकर और संतुष्ट न होते हुए पुनः शिकायतकर्ता ने लखनऊ हाई कोर्ट का रुख किया और कोर्ट नंबर दो पर रिट पिटीशन देवी प्रसाद त्रिपाठी ने दायर किया, जिस पर डबल बेंच के विद्वान न्यायाधीश राजन राय और ओम प्रकाश शुक्ला ने मामले को भली भांति सुनकर जिला अधिकारी बहराइच को दिशा निर्देश जारी करते हुए अतिशीघ्र जवाब भेज कर कोर्ट को सूचित करने का आदेश दिया।

वक्फ अमेंडमेंट बिल के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में उत्तर प्रदेश से पहली याचिका दाखिल, हसीब खान ने उठाई आवाज

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। केंद्र सरकार द्वारा हाल ही में संसद में पारित किए गए वक्फ अमेंडमेंट बिल के खिलाफ देशभर में विरोध की लहर तेज हो गई है। सुप्रीम कोर्ट में अब तक इस बिल के खिलाफ लगभग 73 याचिकाएं दाखिल हो चुकी हैं। उत्तर प्रदेश से इस मामले में पहली याचिका समाजवादी पार्टी के नेता और उतरौला विधानसभा से पूर्व प्रत्याशी हसीब खान द्वारा दाखिल की गई है। इस याचिका को एडवोकेट भास्कर आदित्य और एडवोकेट नितिन मिश्रा के माध्यम से सुप्रीम कोर्ट में प्रस्तुत किया गया है। याचिका में वक्फ संशोधन बिल को भारतीय संविधान के मौलिक अधिकारों के विरुद्ध

बताया गया है। यह बिल संविधान विरोधी है हसीब खान हसीब खान ने मीडिया से बात करते हुए कहा, "वक्फ अमेंडमेंट बिल पूरी तरह संविधान के खिलाफ है। यह न सिर्फ मुस्लिम समाज की संपत्तियों पर नियंत्रण की कोशिश है, बल्कि देश के तमाम धार्मिक ट्रस्टों की स्वायत्तता पर भी खतरा है।

हमें न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है और हम सुप्रीम कोर्ट से न्याय की उम्मीद करते हैं। सिर्फ मुस्लिम ही नहीं, अन्य धार्मिक संस्थाएं भी चिंतित बिल के खिलाफ केवल मुस्लिम संगठनों ने ही नहीं, बल्कि बौद्ध, सिख, ईसाई समुदायों के चर्च, गुरुद्वारे और धार्मिक ट्रस्टों ने भी इस पर चिंता जताई है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह बिल लागू होता है तो धार्मिक संस्थाओं की संपत्ति और प्रशासन पर राज्य का सीधा नियंत्रण हो सकता है। क्या है वक्फ अमेंडमेंट बिल? वक्फ अमेंडमेंट बिल में वक्फ बोर्डों के अधिकारों और धार्मिक संपत्तियों के प्रबंधन को लेकर कई प्रावधानों में संशोधन किया गया है।

विरोध करने वाले संगठनों का कहना है कि इस बिल के माध्यम से सरकार धार्मिक स्वतंत्रता और स्वायत्तता में हस्तक्षेप कर रही है। सुनवाई की प्रतीक्षा सुप्रीम कोर्ट में दाखिल याचिकाओं पर सुनवाई की तारीख जल्द घोषित की जा सकती है। इस मुद्दे पर देशभर की नजरें सुप्रीम कोर्ट की ओर हैं, जहां तय होगा कि ये संशोधन संविधान के अनुरूप हैं या नहीं।

विश्व मलेरिया दिवस एसकेएस कालेज सबलापुर में मनाया गया

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बहराइच। बहराइच–सीतापुर हाईवे मार्ग के सबलापुर स्थित डॉक्टर सर्वेश कुमार शुक्ला ग्रुप आफ इंस्टीट्यूटशंस में शुक्रवार को सेमिनार हाल में विश्व मलेरिया दिवस पर कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस कार्यक्रम में बीएससी नर्सिंग, एएनएम, जीएनएम व पैरामेडिकल के छात्र–छात्राओं द्वारा पोस्टर प्रतियोगिता, पीपीटी प्रेजेंटेशन व नुक्कड़ नाटक के माध्यम से मलेरिया के बारे में जानकारियां दी।

पोस्टर प्रतियोगिता का अवलोकन नर्सिंग प्राचार्य हरीश नागर व फार्मेसी प्राचार्य डॉ संतोष कुमार मिश्रा ने किया पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान बीएससी नर्सिंग की छात्रा अनामिका श्रीवास्तव, दूसरा स्थान पैरामेडिकल की छात्रा उजमा व तीसरा स्थान जीएनएम की छात्रा बुशरा खान को मिला। नर्सिंग प्राचार्य हरीश नागर ने कहा कि मलेरिया से लड़ाई जीतने के लिए सामुदायिक रूप से सभी को अपने आसपास साफ–सफाई रखने की आदत का विकास करें। ताकि मच्छर पैदा न हो और हम इस बीमारी से ग्रसित होने से बचें। फार्मेसी प्राचार्य डॉ संतोष कुमार मिश्रा ने कहा कि मलेरिया के लक्षण दिखने पर शीघ्र उपचार करवाएं, लापरवाही न करें। मच्छरों के प्रजनन स्थान को खत्म करें। उन्होंने मलेरिया उपचार और मलेरिया वैक्सीन के बारे में जानकारियां साझा की। इस मौके पर एकाउंट मैनेजर नीलेश तिवारी, शिक्षक आलोक शुक्ला, चन्दन शर्मा, उदय प्रताप वर्मा, अरुण कुमार, मोहम्मद अशरफ, मंयर चौधरी, संगीता पाल, कीर्ति मिश्रा, सुनिधि शुक्ला, सुषमा गिरी, प्रतीक्षा पाठक, संगीता दूबे, सौम्या सिंह, मधु उपाध्याय, सौम्या सिंह समेत छात्र–छात्राएं मौजूद रहे।

पब्लिक सिटी मांटेसरी इंटर कॉलेज अगरहवा हाईस्कूल व इंटरमीडिएट के परीक्षाफल में रहे आगे

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद वर्ष 2025 का

परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। पब्लिक सिटी मांटेसरी इंटर कॉलेज अगरहवा (लुचुइया) बलरामपुर के बच्चों ने सर्वश्रेष्ठ अंक लाकर सिद्ध कर दिया कि ग्रामीण क्षेत्र में स्थित विद्यालय में भी शिक्षा का स्तर बहुत ही अच्छा है। परीक्षाफल आने के बाद बच्चों के चेहरे खिल उठे। विद्यालय प्रबंधक श्री श्रवण कुमार शुक्ल ने बच्चों को मिठाई खिला कर मुंह मीठा कराया और उज्ज्वल भविष्य की कामना की परीक्षा नियंत्रक डॉ. के. के. मिश्र ने भी मिठाई खिला कर बच्चों का मुंह मीठा कराया और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इंटरमीडिएट में प्रथम स्थान पर अभिषेक शुक्ला जिसने 85 अंक प्राप्त किया, वहीं दूसरे स्थान पर अंशिका जायसवाल 80, तीसरे स्थान पर रवि, चौथे स्थान पर रागिनी पांडे ने अपना दबदबा कायम रखा। वहीं हाई स्कूल में वैसी 87 अंक के साथ प्रथम स्थान पर, दूसरे स्थान पर सूरज, आलोक शुक्ल, अंशुमान तिवारी ने संयुक्त रूप से 82 अंकों के साथ अपना दबदबा बनाए रखा, तीसरे स्थान पर श्रद्धा शुक्ला, शशि तिवारी, शिवानी, स्वास्तिका शुक्ला, सृष्टि, प्रियांशी विश्वकर्मा तथा गायत्री वर्मा रहीं। विद्यालय का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा।

तुलसीपार्क एंव तुलसी उद्यान के सौंदरीकरण हेतु शिलान्यास

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। आदर्श नगर पालिका परिषद बलरामपुर के हृदय स्थल तुलसी उद्यान एंव तुलसीपार्क सौन्दर्यीकरण कार्य का शिलान्यास मुख्यमंत्री वैश्विक नगरोदय योजनान्तर्गत वर्ष 2024–25 स्वीकृत धनराशि 1 करोड़ 5 लाख से जनहित में निर्माण कार्य अवस्थापना सुविधाओं के कार्य का शिलान्यास चेयरमैन डॉ धीरेन्द्र प्रताप सिंह धीरू पूजा अर्चना कर कार्य का शुभारम्भ कराया। अध्यक्ष प्रतिनिधि डीपी सिंह बैस ने बताया कि तुलसी पार्क के सौन्दर्यीकरण के साथ–साथ में बाउंड्री वॉल का निर्माण, बाउंड्री वॉल पर लोहे का ग्रिल लगाने, इंटरलॉकिंग का निर्माण, घाट लगाने का कार्य, वृक्षारोपण का कार्य, फाउंटेन लगाने का कार्य, बेन्च निर्माण का कार्य कराया जायेगा। उक्त अवसर भाजपा जिला अध्यक्ष रवि मिश्र, पूर्व अध्यक्ष राकेश सिंह, डा. अजय सिंह पिंकू, प्रीत पाल सिंह, अजय मिश्र, मंगल बाबू, शिव शंकर अग्रवाल, संजय शर्मा, ललिता तिवारी, साधना पांडेय, अधिशासी अधिकारी लाल चन्द्र मौर्य, एस एससी ग्रुप के जेई सिविल अविनाश यादव, जेई जलकल धर्मेंद्र गौड़, सभासद सिद्धार्थ, सद्दू राधवेंद्र, कांत सिंह मंटू, सुभाष पाठक, विक्की शर्मा, मनोज यादव, अक्षय शुक्ला, सुमन चौधरी, रामू कश्यप, आनंद किशोर गुप्ता, सरोज तिवारी गण उपस्थित रहें।

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान/योजनान्तर्गत के तहत विकासखंडवार कैंप का होगा आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। उपायुक्त उद्योग राजेश कुमार पांडे ने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा लघु एवं मध्यम उद्यमों को गति प्रदान करने हेतु सूक्ष्म उद्योगों को प्रोत्साहित करने एवं इस क्षेत्र में अधिक से अधिक रोजगार सृजित किये जाने तथा प्रदेश में पूंजी निवेश को आकर्षित करने हेतु प्रदेश में प्रतिवर्ष 01 लाख नई सूक्ष्म इकाईयां स्थापित किये जाने का लक्ष्य रखा गया है। इस योजना को मिशन मोड में आगामी 10 वर्षों की समयावधि में कुल 10 लाख नई सूक्ष्म इकाईयां स्थापित किये जाने के महत्वपूर्ण उद्देश्य की पूर्ति हेतु एक महत्वाकांक्षी नई योजना मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान प्रारंभ किया गया है जनपद बलरामपुर को वित्तीय वर्ष 2025–26 में 1400 लाभार्थियों को योजना का लाभ प्रदान किए जाने लक्ष्य प्राप्त हुआ है मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान/योजनान्तर्गत अधिक से अधिक संख्या में आवेदन कराने हेतु जनपद के प्रत्येक ब्लॉक में पात्र व्यक्तियों को लाभान्वित किये जाने तथा उनके सामाजिक व आर्थिक विकास को गति प्रदान किया जाना है। उन्होंने बताया कि जनपद में सीएम युवा उद्यमी विकास अभियान के तहत विकास खण्ड बलरामपुर दिनांक 28 अप्रैल, 2025 श्रीदत्तगंज 30 अप्रैल, 2025, रेहरा बाजार 01 मई, 2025, गैंड़ास बुजुर्ग 03 मई, 2025, उतरौला 06 मई, गैसड़ी 08 मई, हर्रैया–सतघरवा 09 मई, तुलसीपुर 13 मई व पचपेड़वा 14 मई, 2025 को पूर्वाह्न 11:00 बजे से अपराह्न 04:00 बजे तक कैंप का

138 एनआई एक्ट: दोषी शांतनु चतुर्वेदी को एक वर्ष की कैद

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जमीन विक्रय करने के एवज में लिए गए एडवांस को अभियुक्त द्वारा 7 लाख रुपये का बाउंस चेक दिए जाने के मामले में विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम मुरलीधर सिंह की अदालत ने बुधवार को सुनवाई करते हुए धारा 138 एनआई एक्ट में दोषसिद्ध पाकर दोषी शांतनु चतुर्वेदी को एक वर्ष की कैद की सजा सुनाई। इसके अलावा निर्णय एवं आदेश की तिथि से दो माह के अंदर 14 लाख रुपये परिवादी को प्रतिकर के रूप में तथा 25 हजार रुपये अर्थदंड देना होगा। प्रतिकर की धनराशि अदा न करने पर अभियुक्त को एक माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना पड़ेगा। बता दें कि संजय कुमार चौबे पुत्र शशिकांत चौबे निवासी मझिगांव चौबे थाना रॉबर्ट्सगंज, जिला सोनभद्र ने अधिवक्ता राजेंद्र प्रसाद सिंह के जरिए 7 अप्रैल 2023 को दाखिल धारा 138 एनआई एक्ट के परिवाद पत्र में अवगत कराया है कि अभियुक्त शांतनु चतुर्वेदी पुत्र सत्यनारायण चतुर्वेदी निवासी मझिगांव चौबे, थाना रॉबर्ट्सगंज, जिला सोनभद्र से 14 लाख रुपये में एक बीघा 4 बिस्वा जमीन क्रय करने की बातचीत किया था। जिसके लिए 8 लाख 88 हजार रुपये एडवांस भी दे दिया। जब बैनामा करने के लिए कहा गया तो अभियुक्त द्वारा हीलाहवाली की जाने लगी। बाद में कहा जाने लगा कि अब जमीन की कीमत 35 लाख रुपये हो गई है। जब अपना एडवांस दिया पैसा अभियुक्त से मांग किया तो उसने 4 जनवरी 2023 को 6 लाख रुपये का चेक तथा 9 जनवरी 2023 को एक लाख रुपये का दूसरा चेक दिया। इस प्रकार से सिर्फ 7 लाख रुपये का चेक दिया।

जिसे बैंक ने खाते में पर्याप्त धनराशि न होने पर चेक बाउंस करार दिया। उसके बाद 28 फरवरी 2023 को जरिए अधिवक्ता विधिक नोटिस रजिस्टर्ड डाक से भेजा। नोटिस तामिला के बावजूद भी जानबूझकर 8 लाख 88 हजार रुपये हड़पने की नीयत से बाउंस चेक देकर दंडनीय अपराध किया है। मामले की सुनवाई करते हुए कोर्ट ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने, परिवादी संजय कुमार चौबे के बयान, 7 लाख रुपये के दो बाउंस चेक, अधिवक्ता के जरिए रजिस्टर्ड डाक से भेजी गई विधिक नोटिस, शाखा प्रबंधक निवास कुमार के बयान व पत्रावली का अवलोकन करने पर दोषसिद्ध पाकर दोषी शांतनु चतुर्वेदी को एक वर्ष की कैद व दो माह के भीतर परिवादी को 14 लाख रुपये प्रतिकर व 25 हजार रुपये अर्थदंड अदा करने का आदेश दिया है। प्रतिकर की धनराशि अदा न करने पर एक माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। वही प्रतिकर की धनराशि अभियुक्त से नियमानुसार वसूल की जाएगी।

पुलिस अधीक्षक ने परेड की ली सलामी, किया निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। अशोक कुमार मीणा पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिस लाईन परेड ग्राउंड में साप्ताहिक शुक्रवार परेड की सलामी ली गई तथा परेड का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के पश्चात शारीरिक एवं मानसिक रूप से फिट रहने के लिए परेड की दौड़ लगवाई। निरीक्षण के क्रम में उनके द्वारा यूपी0-112 व थानों से आये वाहनों की गहनता से चेकिंग की गयी तथा पीआरवी पर तैनात पुलिस कर्मियों से वाहनों में उपलब्ध दंगा नियंत्रण/सुरक्षा उपकरणों के सम्बन्ध में जानकारी लेते हुए उनकी चेकिंग की गयी। तत्पश्चात पुलिस लाईन चुर्क में स्थित क्वार्टर गार्द पर तैनात सलामी गार्द द्वारा सलामी दी गयी जिस पर उनके द्वारा सलामी का अभिवादन स्वीकार किया तथा कर्मियों की गार्द रजिस्टर पेश की गई। इस दौरान उनके द्वारा क्वार्टर गार्द, स्टोर, परिवहन शाखा, मेस, पुलिस बैरक व पुलिस लाइन परिसर का निरीक्षण कर साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने हेतु सम्बंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र के नेतृत्व में शांति व सुरक्षा व्यवस्था बनाये रखने व किसी भी प्रतिकूल परिस्थिति से निपटने के उद्देश्य से पुलिस लाइन्स चुर्क, सोनभद्र में पुलिस टीम को दंगा/बलवा नियंत्रण उपकरणों का प्रशिक्षण एवं अभ्यास कराया गया। पुलिसकर्मियों को विभिन्न प्रकार के शस्त्रों एवं दंगा नियंत्रण उपकरणों के संचालन का प्रशिक्षण प्रदान किया गया व पुलिस बल को दंगाईयों से निपटने के लिए विभिन्न तरीके सिखाये गये। अभ्यास के दौरान भीड़ को तितर-बितर करने के विभिन्न तरीकों के साथ लाठी चार्ज/आँसू गैस के गोले और दंगाईयों पर रबर के गोले/एंटी राइट गन/रबर बुलेट गन/टीयर गैस गन/ हैंड ग्रेनेड/सिग्नी ग्रेनेड व फायर बिग्रेड आदि शस्त्रों को चला कर पूर्वाभ्यास किया गया साथ ही विभिन्न टीमें बनाकर दंगा नियंत्रण हेतु अमल में लाये जाने वाले सभी विधिक प्रावधानों का क्रमवार अभ्यास कराया गया। इस दौरान जनपद के समस्त उच्चाधिकारीगण/कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

मलेरिया से बचाव हेतु जिलाधिकारी ने दिलायी शपथ

मलेरिया से बचाव हेतु विभिन्न बिंदुओं पर दी गयी जानकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह द्वारा शुक्रवार को विश्व मलेरिया दिवस के अवसर पर जनपद के चिकित्सा विभाग की मलेरिया इकाई के द्वारा जनपद स्तरीय मलेरिया संवेदीकरण कार्यशाला का आयोजन होटल आर0एस0 ग्रान्ड, सिविल लाइन रोड, राबर्टसगंज, सोनभद्र में किया गया, कार्यशाला का उद्घाटन जिलाधिकारी महोदय, सोनभद्र के द्वारा किया गया। कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए जिलाधिकारी ने आग्रह किया कि मलेरिया एक घातक रोग है, जिसका वाहक मादा एनाफिलिज होती है, यह मादा मच्छर रात को काटती है इसलिए सोते समय मच्छरदानी का प्रयोग करें, इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, सोनभद्र ने बताया कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने वर्ष 2007 में 25 अप्रैल को "विश्व मलेरिया दिवस" रूप में घोषित किया, उन्होंने आगे बताया कि जनपद सोनभद्र में जहाँ वर्ष 2017 में 80655 जाँच हुयी थी और मलेरिया के 6034 रोगी चिन्हित हुये थे, वहीं वर्ष 2024 में 219203 जाँचे हुयी तथा मात्र 270 मलेरिया के चिन्हित हुये, रोगियों की संख्या में यह कमी चिकित्सा विभाग के द्वारा चलाये गये विभिन्न कार्यक्रमों जैसे संचारी रोग नियंत्रण अभियान, विशेष मलेरिया स्वास्थ्य शिविर इत्यादि के कारण सम्भव हो सका है। इस अवसर पर कार्यशाला में प्रस्तुतीकरण देते हुये जिला मलेरिया अधिकारी ने बताया कि मलेरिया का वाहक मादा एनाफिलिज अति संवेदनशील तथा एडाप्टेशन में माहिर है, डी0डी0टी0 के व्यापक प्रयोग के कारण 1960-70 के दशक में रोगियों की संख्या कम हो गयी थी किन्तु पुनः 1970-80 दशक में डी0डी0टी0 के विरुद्ध प्रतिरोधक क्षमता विकसित होने के कारण रोगियों की संख्या में बेतहाशा वृद्धि दर्ज की गयी, मलेरिया एक सूक्ष्म परिजिवि प्लाज्मोडियम के द्वारा होता है, जिनमें से पी0एफ0 ज्यादा घातक है।

कीटनाशक निर्माता कम्पनी ईएनबीयू के सौजन्य से आयोजित कार्यशाला जोनल मैनेजर पुनीत कुमार ने कोल्ड फागिंग के लिये उपयुक्त कीटनाशक की जानकारी दी। अखिलेश ने सम्बन्धित उपकरण का प्रदर्शन किये। विश्म्भरनाथ ने एन्टोलाजी एवं आई0आर0एस0 के बारे में विस्तार से बताया, संचालन कुमार शुभम ने किया, कार्यक्रम में समस्त परियोजना, नगर पंचायत/नगर पालिका के अधिकारी व कार्मिकगण उपस्थित रहें साथ ही चिकित्सा विभाग से समस्त अपर/उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी, आई0डी0 एस0पी0, डब्लू0एच0ओ0, लॉयन्स क्लब, रेडक्रास, एम्बेड एवं मलेरिया विभाग के समस्त अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहें।

मां विंध्यवासिनी इंटर कॉलेज पापी का जनपद में रहा दबदबा

दैनिक बुद्ध का संदेश

करमा/सोनभद्र। यूपी बोर्ड 2025 की परीक्षा में आयुषी मौर्य पुत्री सर्वजीत कुमार ने हाई स्कूल में 600 में 566 अंक प्राप्त कर जिले में द्वितीय स्थान प्राप्त किया यह विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय व क्षेत्र का नाम रोशन किया हाई स्कूल में दिवाकर पुत्र अवधेश कुमार ने 530 अंक प्राप्त कर विद्यालय में द्वितीय स्थान तथा शिवानी विश्वकर्मा पुत्री शम्भूनाथ विश्वकर्मा ने 520 अंक प्राप्त कर विद्यालय में तृतीय स्थान प्राप्त किया। वही इंटरमीडिएट में चांदनी मौर्य पुत्री श्री राम सिंह ने 500 में से 421 अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया अनिल कुमार पुत्र कमला प्रसाद व अलका मौर्य पुत्री से सुजीत कुमार मौर्य 500 में 411 अंक प्राप्त कर विद्यालय में द्वितीय स्थान तथा बृजेश कुमार पुत्र श्री बालकरन ने 410 अंक प्राप्त कर विद्यालय में तृतीय स्थान प्राप्त किया विद्यालय के प्रबंधक सर्वजीत कुशवाहा एवं विद्यालय के प्रधानाचार्य सरोज कुमार सहित उपस्थित सभी शिक्षक गण विरेन्द्र बहादुर यादव राजेश कुमार मौर्य मुन्नालाल जयहिंद सिंह चौहान मुबारक अली डॉ रमेश चंद्र वर्मा शैलेंद्र कुमार मौर्य आदि लोगो ने इन होनहारों के उज्जवल भविष्य की कामना की।

कुणाड़ी देवी धाम मंदिर पहुंचकर जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक व मुख्य विकास अधिकारी ने की पूजा-अर्चना

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह, पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा व मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी ने आज सुदूर क्षेत्र के कुणाड़ी गांव में स्थित श्री कुणाड़ी देवी धाम मंदिर में पहुंचकर पूजा-अर्चना कर, मंदिर परिसर की स्थिति का जायजा भी लिये। जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक को मंदिर परिसर में

देख लोग पुजारी के साथ ही उपस्थित लोगों ने प्रसन्नता व्यक्त की, इस दौरान जिलाधिकारी ने मंदिर के पुजारी से सीधा संवाद कर मंदिर परिसर की व्यवस्थाओं के सम्बन्ध में जानकारी ली। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी (नमामि गंगे) रोहित यादव, जिला विकास अधिकारी हेमन्त सिंह, उप जिलाधिकारी घोरावल राजेश सिंह, उप जिलाधिकारी ओबरा विवेक सिंह, अपर जिला सूचना अधिकारी विनय कुमार सिंह द्वारा भी मंदिर में पूजा-अर्चना की गयी। इस मौके पर जिला पंचायत राज अधिकारी नमिता शरण, जिला समाज कल्याण अधिकारी रमाशंकर यादव, जिला पूर्ति अधिकारी सहित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

घर-घर पहुंचे शिक्षक, नामांकन के लिये अभिभावकों को किया जागरूक

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। शुक्रवार को विकास खण्ड बनकटी के अन्तर्गत संचालित प्राथमिक विद्यालय खड़ौरा की प्रधानाध्यापिका विनीता आहूजा के संयोजन में विद्यालय के सहायक अध्यापक एवं उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ विकास खंड बनकटी के संयुक्त मंत्री आदित्यनाथ त्रिपाठी व शिक्षामित्र राकेश उपाध्याय, एस एम सी अध्यक्ष एवं रसोइया सहित पूरा विद्यालय परिवार गांव में डोर टू डोर अभिभावकों से संपर्क करके भारी से विद्यालय में नामांकन करने हेतु जागरूक। अभिभावकों को केन्द्र और उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा बेसिक शिक्षा से विद्यार्थियों को मिलने वाले सुविधाओं की भी जानकारी दी गई। प्रधानाध्यापिका विनीता आहूजा एवं सहायक अध्यापक आदित्यनाथ त्रिपाठी ने ग्रामीणों को बताया कि मंडल के सहायक शिक्षा निदेशक संजय कुमार शुक्ला और जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अनूप कुमार त्रिपाठी का सख्त निर्देश है 6 वर्ष की आयु पूरा करने के उपरांत एक भी बच्चा परिषदीय विद्यालय नामांकन से वंचित नहीं रहने पाएगा उसके नामांकन में जो भी समस्याएं आएंगी उसे विभाग द्वारा निदान कराया जाएगा। विकासखंड बनकटी के खंड शिक्षा अधिकारी अरुण कुमार यादव ने स्वयं शिक्षकों के साथ गांव में घूम कर बच्चों का नामांकन करने के लिए प्रेरित करा रहे हैं। शिक्षक तरह-तरह का स्लोगन तथा पोस्टर एवं हैंड बिल बांट नामांकन करने के लिए लोगों को प्रेरित कर रहे हैं। बेसिक शिक्षा ने ठाना है हर बच्चे का परिषदीय विद्यालय में नामांकन कराना है" सम्पर्क के दौरान शशिकला, जीतु, धर्मेंद्र, शिवानी प्रीति, प्रियंका, फागू, गुड़िया, महेंद्र सहित तमाम अभिभावकों ने नामांकन करने के लिए प्रेरित करने में सहयोग किया।

बाबा बिहारी इंटर कॉलेज भरकवाह मे सीता यादव विद्यालय में प्रथम स्थान

दैनिक बुद्ध का संदेश

करमा/सोनभद्र। बाबा बिहारी इंटर कॉलेज भरकवाह करमा के हाई स्कूल एवं इंटर के छात्र छात्राओं का परीक्षा फल गत वर्षों की तरह इस वर्ष भी पूरे क्षेत्र में शानदार रहा, पठन पाठन एवं अनुशासन के लिए क्षेत्र में अपने अलग पहचान के लिए मशहूर विद्यालय के हाई स्कूल में 90 प्रतिशत से अधिक छात्र छात्राओं ने अच्छे अंक से उत्तीर्ण होकर विद्यालय एवं माता पिता का सम्मान बढ़ाया है, वहीं इंटर का परीक्षा फल 99 प्रतिशत रहा,इंटर के छात्र छात्राओं में मात्र एक छात्रा अनुत्तीर्ण रही है, हाई स्कूल की परीक्षा में साधना पटेल 87 प्रतिशत अंक पाकर विद्यालय में प्रथम स्थान पर रहीं, जबकि इंटर की परीक्षा में सीता यादव 82 प्रतिशत अंक पाकर प्रथम स्थान पर रही, विद्यालय के संस्थापक बी एन यादव ने बताया कि पूर्व के वर्षों में विद्यालय के बच्चों ने जनपद स्तर पर तीसरा स्थान लाकर विद्यालय का सम्मान बढ़ा चुके हैं, सभी बच्चों को शुभकामनाएं देते हुए उन्होंने ने सभी बच्चों के सुन्दर भविष्य की कामना की है।

फरार चल रहा वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा के निर्देशन में अपराध पर प्रभावी रोकथाम लगाने व वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय तथा क्षेत्राधिकारी नगर के निकट पर्यवेक्षण/नेतृत्व में रॉबर्ट्सगंज पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर मु0अ0सं0-368/2025 धारा 333, 64(1), 352, 351(3) बीएनएस व 3(2)5 एससी/एसटी एक्ट से सम्बन्धित 01 नफर अभियुक्त मनोज कुमार सिंह पुत्र आदित्य सिंह निवासी मिश्रौलिया थाना पन्नूगंज जनपद सोनभद्र को आज दिनांक 25.04.2025 को उरमौरा तिराहा थाना रॉबर्ट्सगंज जनपद सोनभद्र से समय करीब 11.45 बजे दिन में गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा गया।

ब्लड बैंक के स्थापना दिवस पर 43 ने किया रक्तदान

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। गुरुवार को मचपेड़िया मार्ग स्थित बस्ती चैरिटेबल ब्लड बैंक का प्रथम स्थापना दिवस संकल्पों के साथ मनाया गया। इस मौके पर 43 लोगों ने मानवता की सेवा के लिये रक्तदान किया। स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम

में भारतीय जनता पार्टी जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र, वरिष्ठ नेता जगदीश शुक्ल, नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि भाजपा नेता अंकुर वर्मा, राना दिनेश प्रताप सिंह, आशीष शुक्ल, कुलवेन्द्र सिंह मजहबी, भानु प्रकाश मिश्र आदि ने कहा कि मानवता की सेवा में ब्लड बैंकों की भूमिका महत्वपूर्ण है। एक वर्ष की अवधि में बस्ती चैरिटेबल ब्लड बैंक ने लोगों का भरोसा जीता है। शुभम मिश्र ने आगन्तुकों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में विजय सिंह, शिवम मिश्र, आलोक कुमार चौधरी, मुकेश कुमार, डी.पी. यादव, विजय कुमार शुक्ल, रुकुमसेन, ओम प्रकाश मिश्र, संजय पाण्डेय, नवीन श्रीवास्तव, डा. नवीन सिंह के साथ ही विभिन्न सामाजिक, राजनीतिक संगठनों के लोग, चिकित्सक, फार्मासिस्ट आदि उपस्थित रहे।

इंडियन रेडक्रास सोसायटी की नई कार्यकारिणी की सक्रियता की हो रही सराहना

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। इंडियन रेडक्रास सोसायटी की नई कार्यकारिणी का गठन होने के उपरान्त कुल 52 यूनिट रक्तदान किया गया है जो जरूरतमंदों की जान बचाने के काम आ रहा है। सोसायटी के चेयरमैन डा. प्रमोद कुमार चौधरी ने बताया कि इनमें कई लोग गंभीर स्थिति में थे, जानकारी मिलते ही सोसायटी ने उनकी मदद को आगे हाथ बढ़ाया और समय से ब्लड की व्यवस्था कर उनकी जान बचाया। चेयरमैन ने कहा यह सिलसिला अनवरत जारी रहेगा। उन्होंने कहा पदाधिकारियों को जिम्मेदारी दी गई है कि जानकारी मिलने पर समय रहते जरूरतमंदों की मदद की जाये। सोसायटी के सचिव रंजीत श्रीवास्तव ने बताया कि 41 वर्ष की अनीता के स्तन में

गांठ की समस्या थी, जिनका ऑपरेशन ओमवीर हास्पिटल के डॉ नवीन कुमार चौधरी की देख रेख में होना था। रेडक्रॉस सोसाइटी को पता चलने पर चिकित्सा समिति के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सत्येंद्र कुमार दूबे ने मौके पर पहुच कर 1 यूनिट ब्लड दिलवाया इसके पहले 65 वर्षीय निशा श्रीवास्तव के कूल्हे का आपरेशन पी एम सी हॉस्पिटल में डॉ सत्येंद्र राय के द्वारा होना था। डिमांड आने पर तत्काल 1 यूनिट खून की व्यवस्था कर मरीज का जीवन सुरक्षित किया गया। अपने एक महीने के कार्यकाल में रेडक्रॉस सोसाइटी बस्ती 52 यूनिट ब्लड डोनेट करा चुकी है और लगभग 8 मरीजों को ब्लड देकर उनका जीवन सुरक्षित कर चुका है। इंडियन रेडक्रास सोसायटी के वायस चेयरमैन डा. एल.के. पाण्डेय, उमेश श्रीवास्तव, राहुल श्रीवास्तव, संतोष श्रीवास्तव, अशोक कुमार सिंह, इमरान अली आदि ने जमीनी स्तर पर उतरकर सामाजिक सरोकारों को मजबूत करने हेतु सोसायटी द्वारा किये जा रहे प्रयासों की सराहना किया है।

दिनेश वियार बनाये गये मड़िहान विधानसभा प्रभारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। अपनादल एस शीर्ष नेतृत्व के निर्देश पर दिनेश वियार राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य अ द एस निवासी सोनभद्र को मड़िहान विधानसभा 399 का विधान सभा प्रभारी बनाया गया है इससे पहले विधानसभा मानिक पुर चित्रकूट के प्रभारी थे शीर्ष नेतृत्व का आभार

व्यक्त करते हुए जानकारी देते हुए कहा कि पार्टी ने जो जिम्मेदारी दिया है उसे बखूबी निभाने का प्रयास करूंगा।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक- श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट-हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद-सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक- राजेश कुमार शर्मा
आर.एन.आई. नं.-UPHIN/2012/49458 9415163471, 9453824459 दैनिक बुद्ध का संदेश 9795951917, 9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद जनपद-सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

नाक के मुंहासे से हैं परेशान ? इन 5 घरेलू नुस्खों को आजमाएं

नाक के मुंहासे एक आम समस्या है, जो किसी भी उम्र में हो सकती है। ये मुंहासे न केवल असुविधाजनक होते हैं, बल्कि चेहरे की सुंदरता को भी प्रभावित करते हैं।

इस लेख में हम आपको कुछ घरेलू नुस्खे बताएंगे, जिनसे आप नाक के मुंहासों से राहत पा सकते हैं और अपने चेहरे को साफ-सुथरा रख सकते हैं।

इन नुस्खों को अपनाकर आप आसानी से इन समस्याओं का सामना कर सकते हैं।

खाने का सोडा का इस्तेमाल करें: खाने का सोडा एक असरदार सामग्री है, जो आपकी नाक के मुंहासों को कम करने में मदद कर सकती है। इसे पानी में मिलाकर पेस्ट बना लें और इसे प्रभावित क्षेत्र पर हल्के हाथों से लगाएं। 5-10 मिनट बाद चेहरे को ठंडे पानी से धो लें। यह प्रक्रिया त्वचा की गंदगी को साफ करती है और मुंहासों को कम करने में मदद करती है।

नियमित उपयोग से आपको बेहतर परिणाम मिल सकते हैं।

एलोवेरा जेल लगाएं: एलोवेरा जेल एक प्राकृतिक उपाय है, जो नाक के मुंहासों को कम करने में मदद करता है।

एलोवेरा में सूजन कम करने वाले गुण होते हैं, जो सूजन को कम करते हैं और त्वचा को ठंडक पहुंचाते हैं।

इसे रोजाना रात को सोने से पहले अपनी नाक पर लगाएं और सुबह उठकर धो लें। नियमित उपयोग से आपकी त्वचा मुलायम और स्वस्थ बनी रहेगी। यह उपाय न केवल असरदार है, बल्कि त्वचा को पोषण भी देता है।

टी ट्री तेल का प्रयोग करें: टी ट्री तेल एक में जीवाणुरोधी गुण होते हैं, जो नाक के मुंहासों को कम करने में सहायक हो सकते हैं।

लाभ के लिए इसे रुई पर लेकर प्रभावित क्षेत्र पर लगाएं और रातभर छोड़ दें। सुबह उठकर चेहरे को साफ पानी से धो लें। यह उपाय त्वचा को ताजगी देता है और मुंहासों को कम करने में मदद करता है।

नियमित उपयोग से आपकी त्वचा स्वस्थ और चमकदार बनी रहेगी।

नींबू का रस लगाएं: नींबू का रस विटामिन-सी से भरपूर होता है, जो त्वचा की सफाई करता है और मुंहासों को कम करता है।

लाभ के लिए एक कप पानी में नींबू का रस मिलाकर रुई की मदद से प्रभावित क्षेत्र पर लगाएं। 15 मिनट बाद चेहरे को ठंडे पानी से धो लें। यह प्रक्रिया त्वचा की गंदगी को साफ करती है और नमी प्रदान करती है।

नियमित उपयोग से आपकी त्वचा मुलायम और स्वस्थ बनी रहती है।

शहद का उपयोग करें: शहद एक प्राकृतिक मॉइस्चराइजर है, जो त्वचा को नरम बनाता है और मुंहासों को कम करता है।

लाभ के लिए रोजाना रात को सोने से पहले अपनी नाक पर थोड़ा-सा शहद लगाएं और सुबह उठकर धो लें।

इन घरेलू नुस्खों को अपनाकर आप आसानी से अपनी नाक के मुंहासों से राहत पा सकते हैं और अपने चेहरे को साफ-सुथरा रख सकते हैं। इन नुस्खों का नियमित उपयोग आपकी त्वचा को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करेगा।

न्यू बिगनिंग की झलक के साथ जान्हवी कपूर ने शेयर की दिल छू लेने वाली तस्वीरें, फैंस ने बरसाया प्यार

बॉलीवुड एक्ट्रेस जान्हवी कपूर ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ बेहद प्यारी तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें वह एक सफेद फर वाले डॉगी के साथ खेलती नजर आ रही हैं. व्हाइट शर्ट में कैजुअल और ग्लोइंग लुक में जान्हवी का यह अंदाज सोशल मीडिया पर फैंस का दिल जीत रहा है. इन तस्वीरों के साथ जान्हवी ने कैप्शन में लिखा डु नई शुरुआत के लिए उत्साहित प्यारजोरहताहै पर लवआटि. इन फोटोज में जान्हवी जिस तरह से अपने डॉगी के साथ हंसते हुए नजर आ रही हैं, वह उनके नेचर और एनर्जी को साफ बयां करता है.

जैसे ही तस्वीरें सामने आईं, सोशल मीडिया पर फैन्स की प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई. एक यूजर ने कमेंट किया डु सफेद प्यारी तो वहीं दूसरे ने लिखा डु सुंदर. एक अन्य फैन ने कमेंट किया डु रानी हो आप जान्हवी. इस पोस्ट को शनाया कपूर समेत कई बॉलीवुड फ्रेंड्स ने लाइक किया है. और फैंस लगातार कमेंट्स में हार्ट और फायर इमोजी से भर रहे हैं. जान्हवी की ये तस्वीरें न केवल उनकी खूबसूरती को दर्शाती हैं, बल्कि यह भी दिखाती हैं कि वह जानवरों के प्रति कितनी प्यार भरी और संवेदनशील हैं.

जान्हवी कपूर की यह पोस्ट एक बार फिर साबित करती है कि क्यों वह सोशल मीडिया पर सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली यंग एक्ट्रेसेस में से एक है.

विजय वर्मा और फातिमा सना शेख की उल जलूल इश्क को मिला नया शीर्षक, फिल्म गुस्ताख इश्क का पोस्टर भी जारी

विजय वर्मा और फातिमा सना शेख की आने वाली फिल्म उल जलूल इश्क का नाम बदल दिया गया है। फैशन आइकन मनीष मल्होत्रा द्वारा निर्मित इस रोमांटिक ड्रामा का नाम अब आधिकारिक तौर पर गुस्ताख इश्क रखा गया है। यह अपडेट खुद मल्होत्रा ने

इंस्टाग्राम पर शेयर किया।

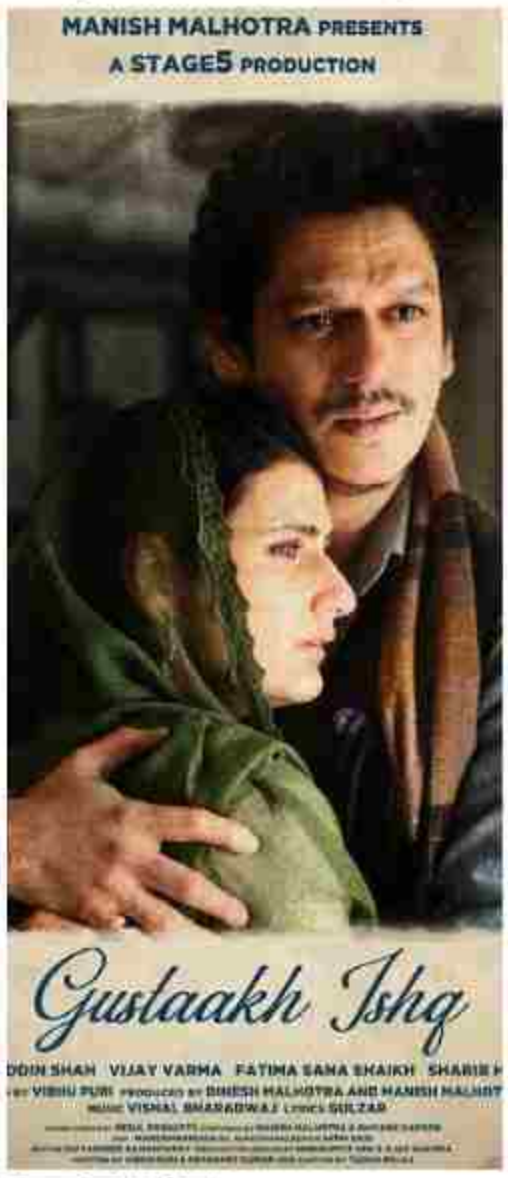

उन्होंने एक नया पोस्टर भी जारी किया, जिसमें विजय और फातिमा एक दूसरे को गले लगाते हुए दिखाई दे रही हैं। हाल ही में रिलीज हुए पोस्टर में विजय और फातिमा के बीच की शानदार केमिस्ट्री को दिखाया गया है। नए शीर्षक गुस्ताख इश्क को सोशल मीडिया पर अच्छी प्रतिक्रिया मिली है।

इस फिल्म का निर्देशन विभु पुरी करेंगे, जो 2015 में आई फिल्म हवाईजादा के लिए जाने जाते हैं। जनवरी में मनीष मल्होत्रा ने भी स्टार-स्टडेड कास्ट को प्रशंसकों से मिलवाया था। बन टिक्की और ट्रेन फ्रॉम छपरौला के बाद यह मल्होत्रा का स्टेज 5 प्रोडक्शन के बैनर तले तीसरा प्रोजेक्ट है। आगामी प्रोजेक्ट में दिग्गज जोड़ी गुलजार और विशाल भारद्वाज भी वापस आ रहे हैं जो एक बार फिर फिल्म का साउंडट्रैक बनाने के लिए साथ आएंगे।

फिल्म के अनाउंसमेंट के दौरान मनीष ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट भी शेयर किया था, जिसमें लिखा था, बेवकूफियां, नादान गलतियां, बड़ी भूल है इश्क, सच पूछिए तो मेरे हुजूर उल जलूल है इश्क। मुझे हमारे स्टेज 5 प्रोडक्शन के तीसरे फिल्म प्रोडक्शन की घोषणा करते हुए बहुत खुशी हो रही है। विभु पुरी द्वारा लिखित और निर्देशित एक खूबसूरत फिल्म उल जलूल इश्क फिल्म की शूटिंग 9 जनवरी से इन बेहद प्रतिभाशाली कलाकारों नसीरुद्दीन शाह, विजय वर्मा, फातिमा सना शेख के साथ शुरू होगी।

फिल्म केसरी:चैप्टर 2 का कारोबार 50 करोड़ रुपये की ओर, छठे दिन हुई इतनी कमाई

अक्षय कुमार की फिल्म केसरी: चैप्टर 2 को सिनेमाघरों में रिलीज हुए एक सप्ताह पूरा होने जा रहा है और यह पहले दिन से ही बॉक्स ऑफिस पर ठीक-ठाक कमाई कर रही है।

हालांकि, पिछले 2 दिन से फिल्म के कारोबार में गिरावट देखने को मिली है। इसके बावजूद धीरे-धीरे ही सही, लेकिन भारत में इस फिल्म की कमाई 50 करोड़ रुपये की ओर बढ़ रही है। आइए जानें केसरी 2 ने छठे दिन कितने करोड़ रुपये कमाए।

सैकनिल्क के मुताबिक, केसरी 2 ने रिलीज के छठे दिन 3.20 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इस फिल्म का कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 42.20 करोड़ रुपये हो गया है।

केसरी 2 ने 7.75 करोड़ रुपये के साथ बॉक्स ऑफिस पर धीमी शुरुआत की थी। दूसरे दिन यह फिल्म 9.75 करोड़ रुपये और तीसरे दिन 12 करोड़ रुपये कमाने में सफल रही।

चौथे दिन इस फिल्म ने 4.5 करोड़ रुपये और पांचवें दिन 5 करोड़ रुपये कमाए।

केसरी 2 का निर्देशन करण सिंह त्यागी ने किया है, जबकि करण जौहर फिल्म के निर्माता हैं।

अक्षय के साथ फिल्म में अनन्या पांडे और आर माधवन भी मुख्य भूमिका में हैं। तीनों सितारों के काम को काफी सराहा जा रहा है।

केसरी 2 1919 के जलियांवाला बाग हत्याकांड के इर्द-गिर्द की भयावह घटनाओं को दिखाती है।

फिल्म में अक्षय वकील सी. शंकरन नायर बने हैं, जिन्होंने अदालत में ब्रिटिश राज को चुनौती दी और सच्चाई बताने की मांग की।

राजपाल यादव की फिल्म मकतूब का ट्रेलर जारी, रुबीना दिलैक भी आएंगी नजर

पिछली बार राजपाल यादव फिल्म बेबी जॉन में नजर आए थे, जिसमें उनके काम को खूब सराहा गया। हालांकि, बॉक्स ऑफिस पर यह कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी।

आने वाले दिनों में राजपाल एक से बढ़कर एक फिल्मों में नजर आएंगे। इन दिनों वह अपनी

आगामी फिल्म मकतूब को लेकर चर्चा में हैं। रुबीना दिलैक भी इस फिल्म का हिस्सा हैं।

अब निर्माताओं ने मकतूब का ट्रेलर जारी कर दिया है, जिसे प्रशंसक खूब पसंद कर रहे हैं।

पारिवारिक ड्रामा फिल्म मकतूब के निर्देशन की कमान पलाश मुच्छल ने संभाली है। फिल्म की कहानी भी उन्होंने ही लिखी है।

लिलिपुट, आकाशदीप साबिर, मुस्ताक खान, सबीना कुरैशी, स्वस्ति मेहता और अछिंदा सरमई जैसे सितारे भी इस फिल्म का हिस्सा हैं।

इस फिल्म में जाने-माने कॉमेडियन और अभिनेता कपिल शर्मा मेहमान की भूमिका निभाएंगे।

बता दें कि मकतूब इस साल सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है। फिलहाल फिल्म की रिलीज तारीख सामने नहीं आई है।